08 जुलाई 2025
मंगलवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

बक्सर एसपी शुभम आर्य ने किया ई-मालखाना सॉफ्टवेयर का शुभारंभ

2

18 को मोतिहारी आएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, विशेष सौगातों की संभावना

♦ मोतिहारी के दौरे में पीएम के निशाने पर रहेंगी तीन सीटें, कार्यक्रम को ले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने किया दौरा

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगातार तीसरा दौरा मोतिहारी का संभावित है। सूत्रों की माने तो पीएम नरेंद्र मोदी की दृष्टि इस बार पूर्वी चंपारण की 12 सीटों पर जीत की सियासी समीकरण तैयार करने को ले कर है। जाहिर है जीत का शतप्रतिशत समीकरण हासिल करने के प्लान में कुछ प्रभावी योजनाओं की बौछार भी शामिल होगी।

एनडीए की सरकार ने बिहार विधानसभा चुनाव में 225 सीटों का लक्ष्य तय कर लिया है। इस लक्ष्य को पाने लिए ऐसे वो सारे जिले हैं जहां एनडीए का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है। ऐसे जिलों में पूर्वी चंपारण भी शामिल है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए ने यहां 12 विधानसभा सीटों में से 9 विधानसभा सीटों पर विजय पाई थी। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 8 विधानसभा सीटों पर विजय पाई थी। इनमें मोतिहारी से प्रमोद कुमार, ढाका से पवन जायसवाल, चिरैया से लाल बाबू प्रसाद, मधुबन से राणा रणधीर, पिपरा से श्याम बाबू यादव, गोविंदराज से सुनील तिवारी, हरसिद्धि से कृष्णानंद पासवान और रक्सौल से प्रमोद कुमार सिंह ने जीत दर्ज की। जदयू को केवल एक सीट केसरिया पर जीत मिली थी। जदयू की शालिनी मिश्रा ने जीत दर्ज की थी।

पिछले चुनाव में एनडीए के तीन प्रत्याशियों को करना पड़ा था हार का सामना : मोतिहारी के दौरे में पीएम मोदी के निशाने पर तीन सीटें होंगी। पहली सीट कल्याणपुर है जहां से बीजेपी के सचिंद्र नाथ राजद के मनोज यादव से लगभग 1200 मतों से हारे थे। सुगौली से वीआईपी के रामचंद्र सहनी को राजद के ई. शशिभूषण ने लगभग चार हजार मतों से हराया था। नरकटिया विधानसभा सीट से राजद के शमीम अहमद ने जदयू के श्याम बिसरी प्रसाद को हराया था। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम नरेंद्र मोदी के आने का कार्यक्रम संभावित हैं। इसकी तैयारी के लिए शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मोतिहारी गए भी थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से संबंधित प्रशासनिक तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक भी की। बिहार चुनाव के पहले पीएम मोदी लगातार बिहार में जनसभाएं कर विभिन्न सौगातें दे रहे हैं। इस दौरे के दौरान भी बिहार को कई बड़ी सौगातें मिल सकती हैं।

सम्राट चौधरी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की बैठक : 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम नरेंद्र मोदी के आने का कार्यक्रम संभावित हैं। इसकी तैयारी के लिए शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मोतिहारी गए भी थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से संबंधित प्रशासनिक तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक भी की। बिहार चुनाव के पहले पीएम मोदी लगातार बिहार में जनसभाएं कर विभिन्न सौगातें दे रहे हैं। इस दौरे के दौरान भी बिहार को कई बड़ी सौगातें मिल सकती हैं।

देश के टॉप मिलिट्री कमांडर्स को आज संबोधित करेंगे एनएसए अजीत डोभाल

एजेंसी/नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारतीय सेना के सभी टॉप मिलिट्री कमांडर्स को एनएसए अजीत डोभाल संबोधित करने जा रहे हैं। राजधानी दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय (7-9 जुलाई) विशेष कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में सभी टॉप कमांडर्स एकत्रित हुए हैं।

मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के बारे में हालांकि, फिलहाल आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि इन तीन दिनों के भीतर सेना की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के प्रमोशन संबंधित मामलों पर भी चर्चा की जाएगी।

सम्मेलन में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के अलावा वाइस चीफ, तीनों डिप्टी चीफ, सभी सात कमानों की कमांडर्स और सेना मुख्यालय में तैनात प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर हिस्सा ले रहे हैं। यह सम्मेलन इस मायने में भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सेना व सरकार ने साफ कर दिया है कि भले ही पाक के साथ सैन्य टकराव पर विराम लग गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

विधानसभा चुनाव से पहले कराए जा रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को ले सियासी घमासान छिड़ा

दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख़्त नफरत: लालू

♦ लालू प्रसाद ने एक्स पर लिखा - दो गुजराती मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छिनने का प्रयास कर रहे है

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कराए जा रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। इसको लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है और शीर्ष अदालत ने सुनवाई की तिथि भी तय कर दी है। इस बीच लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सरकार पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल, बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विपक्ष का कहना है कि केंद्र और बिहार सरकार के साथ साथ चुनाव आयोग की मिलीभगत से करोड़ों लोगों का नाम वोटर लिस्ट से काटने की साजिश रची गई है और उसी सोची समझी साजिश के तहत चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पुनरीक्षण का काम शुरू किया गया है। आरजेडी चीफ लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से इसको लेकर सरकार पर हमला बोला है।

बिहार में वोटबंदी की गहरी साजिश : लालू प्रसाद ने एक्स पर लिखा है कि दो गुजराती मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छिनने का प्रयास कर रहे है। इन दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख़्त नफरत है। जागो और आवाज उठाओ! लोकतंत्र और संविधान बचाओ। उधर तेजस्वी यादव ने भी एक्स पर लिखा कि बिहार में वोटबंदी की गहरी साजिश। दलित-पिछड़ा-अतिपिछड़ा व अल्पसंख्यक के वोट काटने और फर्जी वोट जोड़ने का खेल शुरू। मोदी-नीतीश संविधान और लोकतंत्र को कुचलने तथा आपके मत का अधिकार छिनने के लिए संकल्पित होकर चुनाव आयोग के माध्यम से कार्य कर रहे है। जब मतदाता का मत ही समाप्त कर देंगे तो काहे का लोकतंत्र और संविधान।

बता दें कि बिहार का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है। बिहार में मतदाता सूची से लाखों नाम हटाने की आशंका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे असंवैधानिक और जनविरोधी बताते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की है। सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार 10 जुलाई को सुनवाई के लिए सहमति दे दी है।

बिहार में चुनाव आयोग डाकघर की तरह काम करता है, जिसके पास जवाब देने की शक्ति नहीं

♦ बिहार में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में आधार कार्ड मान्य क्यों नहीं: तेजस्वी यादव

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से पूछा है कि वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में आधार कार्ड मान्य क्यों नहीं? तेजस्वी यादव ने कहा, हमने 5 जुलाई को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और अपनी चिंताएं साझा की थीं। लेकिन अब तक हमें आयोग की ओर से कोई स्पष्टता नहीं मिली है। बिहार में चुनाव आयोग एक डाकघर की तरह काम करता है, जिसके पास जवाब देने की शक्ति नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भ्रमित स्थिति में है। तेजस्वी ने कहा कि आयोग ने तीन अलग-अलग आदेश जारी किए, जो आपस में विरोधाभासी हैं। विज्ञापन कुछ और कहते हैं, जबकि आधिकारिक आदेश कुछ और कहते हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञापन में कहा गया कि बिना दस्तावेज भी गणना प्रपत्र जमा किया जा सकता है, लेकिन आदेश में इसके विपरीत बात है। तेजस्वी ने सवाल उठाया कि अगर नया वोटर कार्ड बनाने के लिए आधार कार्ड मान्य है, तो पुनरीक्षण प्रक्रिया में इसे क्यों नहीं स्वीकार किया जा रहा है? उन्होंने चुनाव आयोग से शंकाओं का बिंदुवार जवाब और पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने यह भी पूछा कि इस पुनरीक्षण कार्य में लगे लोग कौन हैं सरकारी कर्मचारी हैं या निजी एजेंसी से हैं? आयोग को उनकी सूची सार्वजनिक करनी चाहिए।

वहीं, गठबंधन दल कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कहा कि आयोग पूरी तरह से भ्रमित है और उसे यह तय नहीं है कि कौन-सा निर्देश लागू किया जाए और कौन-सा नहीं। कांग्रेस ने घोषणा की कि 9 जुलाई को पूरे बिहार में चक्का जाम किया जाएगा।

पूर्णिया में महिला को डायन बता पांच को जिंदा जलाया

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्णिया जिले में एक महिला के डायन होने के शक में उसे और उसके परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पांचों रविवार रात से ही रहस्यसमी ढंग से लापता थे। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के राजीगंज पंचायत के टेटगामा वार्ड संख्या 10 का है। गांव के बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य लोगों को जिंदा जला दिया गया।

मृतक बाबू लाल उरांव का 16 साल का बेटा खुद घटना का चश्मदीद गवाह है। वारदात के बाद से घर के आस-पास रहने वाले सभी लोग अपने घर से फरार हैं।

घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को बाबू लाल उरांव की पत्नी पर डायन होने का शक था। इसी के बाद पड़ोसियों ने रविवार देर रात बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य को जिंदा जला कर मार डाला. पुलिस इस मामले पर कुछ भी कहने से बच रही है। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रहे हैं। मृतकों की पहचान 70 वर्षीया मौसमात कातो देवी, 50वर्षीय बाबूलाल उरांव, 40 वर्षीय सीता देवी, 25 वर्षीय मनजीत कुमार और 20 वर्षीय रानी देवी के रूप में हुई है।

एसपी ने घटनास्थल पर पहुंच लिया जायजा : पुलिस ने घटना की पुष्टि कर दी है, हालांकि इस पर अभी कुछ भी कहने से बच रही है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आस-पास के तीन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। एसपी स्वीटी सहरावत भी मौके पर पहुंच चुकी हैं। घटनाक्रम के समय बाबू लाल का बेटा अपनी जान बचाकर भागा व नानी के घर पहुंचा, उसने आंखों देखी नानी को सुनाया, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। चश्मदीद बच्चे को लेकर एसपी स्वीटी सहरावत घटनास्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

गोपाल खेमका हत्याकांड का शूटर गिरफ्तार

पटना। पटना के बड़े बिजनेसमैन गोपाल खेमका हत्याकांड का खुलासा पटना पुलिस ने किया है। पुलिस ने शूटर उमेश को गिरफ्तार कर लिया है। जो पटना सिटी इलाके का रहने वाला है। फिलहाल इस बात की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। किसी भी वक्त पटना पुलिस इस हत्याकांड का खुलासा कर सकती है। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम इस मामले में प्रभावी ढंग से काम कर रही है। एसटीएफ की टीम ने कल घटनास्थल पर जाकर जांच की और अब तक कई अहम सुराग मिले हैं।

मुरादाबाद में बिजली विभाग का बाबू 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बिजली विभाग के बाबू को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। घूस लेते पकड़ा गया बाबू अधिशासी अभियंता के कार्यालय में तैनात है। उसने एक बिजली कनेक्शन का एस्टीमेट पास कराने के नाम पर किसान से यह रकम मांगी थी। रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए बाबू का नाम बृजेश सिंह है।

ब्रजेश सिविल लाइंस थाना इलाके में चक्कर की मिलक में स्थित बिजली विभाग के ऑफिस में अधिशासी अभियंता के कार्यालय में कार्यालय सहायक के पद पर तैनात है। बहरमपुर के रहने वाले प्रशांत कुमार ने रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो के दफ्तर में की थी।

मुरादाबाद के प्रशांत का आरोप था कि उनका बिजली कनेक्शन मंजूर कराने के नाम पर बाबू ब्रजेश कुमार उनसे 10 हजार रुपए की घूस मांग रहा था। प्रशांत का कहना है कि उन्हें नलकूप कनेक्शन कराना था। इसका एस्टीमेट पास कराने के लिए बाबू ने यह रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों से की थी।

अच्छी पहल: राज्य की दो हजार महिला चालकों को ट्रेंड करेगी बिहार सरकार

केटी न्यूज/पटना

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम पिंक बस चलाने के लिए दो हजार महिला चालकों को प्रशिक्षित करेगा। इसके लिए सोमवार को बीएसआरटीसी प्रशासक अतुल कुमार वर्मा और परिवहन विभाग की विशेष कर्तव्य अधिकारी अरुणा कुमारी ने प्रदेश के मोटर वाहन चालक प्रशिक्षण केंद्र के संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि जल्द ही लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) लाइसेंस धारी महिला चालकों को पिंक बस चलाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन चरण में 500-500 महिला चालकों को 30 दिनों तक बस चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जल्द इससे संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। सभी आवासीय ट्रेनिंग स्कूल में साफ शौचालय, पेयजल की सुविधा, ऊंचे बाउंड्री वॉल होना अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं के लिए सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिकोण से व्यवस्थाएं पुख्ता होनी चाहिए। बस चलाने में निपुण महिला चालकों को ही सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

भारत दुनिया का चौथा सबसे अधिक आय समानता वाला देश

एजेंसी /नई दिल्ली

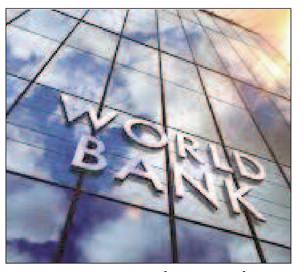

नीति आयोग के सदस्य और जानेमाने अर्थशास्त्री डॉ. अरविंद विरमानी ने भारत में आय समानता पर कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे ज्यादा अधिक समानता वाला देश बना है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह सतत उच्च आर्थिक विकास दर और सामाजिक कल्याण की योजनाओं का कारगर तरीके से कार्यान्वयन है।

पिछले 10 साल में सरकार महंगाई दर को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में कामयाब रही है। इसकी वजह से भी देश में आय समानता में काफी सुधार आया है। वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि देश में एक्सट्रीम पॉवर्टी घटकर 2.3 प्रतिशत रह गई है। वहीं, गरीबी दर में बड़ी गिरावट से भी देश में आय असमानता काफी घट गई है। अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई देश काफी ज्यादा आर्थिक रफ्तार से प्रगति करता है तो वहां आर्थिक असमानता बढ़ती है।

डॉ. अरविंद विरमानी ने आगे कहा कि ऐसे में भारत को सतर्क रहना पड़ेगा। हमें यह सुनिश्चित करना पड़ेगा की 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य की तरफ जब हम तेजी से आगे बढ़े तो देश में आर्थिक असमानता ना बढ़े। हमें पता था कि भारत में आर्थिक असमानता और गरीबी घटी है, लेकिन वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में नई बात यह है कि दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले भारत में आर्थिक समानता का आकलन किया गया है। हमें खुशी है की वर्ल्ड बैंक में भारत को चौथे नंबर पर रैंक किया है।

बिहार में शिक्षा विभाग ने की बड़ी व्यवस्था, शिक्षकों व विद्यार्थियों को होगी सहूलियत

शिक्षक-छात्रों की समस्याओं का चुटकियों में अब होगा समाधान

केटी न्यूज/पटना

बिहार में शिक्षक, छात्रों और अन्य संबंधित लोगों की समस्याओं के शीघ्र समाधान को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ी पहल की है। शिक्षा विभाग ने शिकायतों का वर्गीकरण करते हुए एक विस्तृत सूची जारी की है।

इस सूची के माध्यम से अब शिकायतकर्ता अपनी समस्या की श्रेणी निर्धारित कर उचित समाधान के लिए संपर्क कर सकेंगे। इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने दो टोल-फ्री नंबर भी जारी किए हैं। 14417 और 18003454417, पर कॉल कर शिकायतें दर्ज करायी जा सकती हैं। जारी की गई सूची को 6 श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें आधारभूत संरचना से जुड़े मामलों की शिकायत की जाएगी।

शिकायतों की श्रेणीवार सूची

छात्र-छात्राओं से जुड़ी समस्याएं: इसमें कन्या उत्थान योजना, साइकिल योजना, पोशाक, छात्रवृत्ति, पाठ्य पुस्तक, एफएलएन कीट, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, प्रमाण-पत्र और छात्रा के साथ अमर्यादित व्यवहार शामिल है।

वेंडर/आपूर्तिकर्ता संबंधित शिकायतें: निविदा, भुगतान, ऑन बोर्डिंग की समस्या आदि शामिल हैं।

विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से संबंधित: इसमें नामांकन, विलंब-सत्र, परीक्षा, शुल्क, प्रवजन प्रमाण-पत्र निर्गत नहीं होना, महिला प्राध्यापिका/छात्राओं के साथ अमर्यादित व्यवहार से जुड़े मामलों को शामिल किया गया है।

अवैध राशि की वसूली: शिक्षा विभाग से संबंधित भ्रष्टाचार, घूसखोरी या गैरकानूनी वसूली की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

इस सूची के अंत में ये भी बताया गया है कि शिक्षकगण अपनी समस्याओं से संबंधित शिकायत को अपने लॉगिन आईडी से ई-शिक्षाकोष के ग्रीवांस मॉड्यूल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

मशाल 2024: चौसा की धरती पर दिखी प्रतिभाओं की रफ्तार

♦ डुमरांव के राज हाई स्कूल के खेल मैदान में भी हुआ था आयोजन

केटी न्यूज/चौसा

आदर्श उच्च विद्यालय चौसा के खेल मैदान पर बिहार खेल प्रतिभा खोज योजना के तहत प्रखंड स्तरीय मशाल 2024 प्रतियोगिता के तीसरे दिन सोमवार को खेल प्रतिभाओं की जोरदार भिड़ंत देखने को मिली।

बिहार खेल प्राधिकरण पटना और जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में गोला फेंक, लंबी कूद और साइकिल दौड़ की प्रतियोगिताएं कराई गईं।

इस प्रतियोगिता में गोला फेंक में बालक और बालिका वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी ताकत दिखाई, तो लंबी कूद में कई प्रतिभागियों ने अपनी क्षमताओं की ऊंची उड़ान भरते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। वहीं साइकिल दौड़ में बच्चों की रफ्तार ने मैदान में मौजूद सैकड़ों दर्शकों की तालियां बटोरीं। प्रतियोगिता में भाग लेने आए प्रतिभागियों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार सिंह ने हौसला बढ़ाते हुए खेल भावना से खेलने का संदेश दिया। साथ ही कहा इस आयोजन ने प्रखंड क्षेत्र में खेलों के प्रति नई जागरूकता और उत्साह का संचार किया है, जिसका लाभ भविष्य में निश्चित तौर पर दिखेगा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। सभी की निगाहें अब अंतिम दिन की प्रतियोगिताओं और पुरस्कार वितरण पर टिकी हैं।

बीईओ ने बताया मंगलवार को समापन समारोह के दौरान सभी खेलों में चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। समापन अवसर पर प्रखंड के कई गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

छात्रों ने विधाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन कर खींचा सबका ध्यान

डुमरांव। स्थानीय राज हाई स्कूल के खेल मैदान में भी प्रखंड स्तरीय मशाल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतियोगी छात्रों ने विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेलकूद व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। इससे शरीर स्वस्थ्य रहने के साथ ही ही आपसी भाईचारा, टीम भावना, स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा आदि का विकास होता है। डुमरांव बीईओ ने बताया गया कि इस प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को जिला स्तरीय तथा वहां से चयन होने के बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शिरकत करने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता का मुख्य उदेश्य राज्य में ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें ओलंपिक में पदक लाने के लिए तैयार करना है। बीईओ ने कहा कि मशाल खेलकूद प्रतियोगिता छात्रों के खेल प्रतिभा को निखारने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराता है। मौके पर विभिन्न स्कूलों के खेल शिक्षक, छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक तथा सैकड़ो की संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

मुंगांव में छींटाकसी के विवाद में भिंड़े दो गांव के लोग, कई जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

नौवी कक्षा का एक छात्र अपने ही कक्षा की एक छात्रा से छिंटाकसी कर रहा था। सोमवार को इस मामले में तूल पकड़ लिया। छात्रा की शिकायत पर पहले उसके स्वजन व गांव वालों ने उक्त छात्र की स्कूल परिसर में ही जमकर पिटाई कर दी, वहीं बाद में लड़के के स्वजन व गांववाले भी लाठी डंडा से लैस हो दूसरे पक्ष से भिंड़ गए। इस विवाद में कई लोगों के जख्मी होने की जानकारी मिली है।

वहीं, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पहले मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया तथा बाद में दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्ष दुबारा विवाद नहीं करने पर सहमत हो गए। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। कोरानसराय थाना क्षेत्र के मोतीसाबाद की एक छात्रा प्लस टू उच्च विद्यालय मुंगाव में नौवीं कक्षा की छात्रा है। उसी के क्लास में पढ़ने वाले सुघर डेरा के एक छात्र ने शनिवार को उस पर फब्तियां कसी थी, लेकिन छात्रा उसकी हरकतों को नजरअंदाज कर दी, लेकिन सोमवार को फिर से छात्र ने उस पर छिंटाकसी की। जिसके बाद छात्र ने इसकी जानकारी विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. अजीम अहमद को जानकारी दी। चेतना सत्र शुरू हो गया तथा उक्त छात्र भी चेतना सत्र में शामिल हुआ। छात्रा ने इसकी सूचना प्रधानाध्यापक व अपने घरवालों को भी दी। चेतना सत्र समाप्त होते ही उसके घरवाले कुछ अन्य ग्रामीण स्कूल पहुंच उक्त छात्र की जमकर धुनाई कर दी। प्रधानाध्यापक ने इसकी सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझा बुझाकर शांत करा दिया।

एसपी शुभम आर्य ने किया ई-मालखाना सॉफ्टवेयर का

बक्सर पुलिस ने बढ़ाया एक और डिजिटल कदम

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) शुभम आर्य ने ई-मालखाना सॉफ्टवेयर का शुभारंभ करते हुए इसे जिले की पारदर्शी और डिजिटल पुलिस व्यवस्था की ओर एक मजबूत कदम बताया।

अब जिले के थानों के मालखानों में रखी हर जब्त वस्तु, सामग्री और दस्तावेज का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मालखाना प्रबंधन न केवल आसान होगा बल्कि उसमें पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। एसपी ने बताया कि प्रथम चरण में इटाढ़ी, धनसोई, बासुदेवा, तिलकराय के हाता और बगेन थाना को इस सुविधा से जोड़ा गया है। अन्य थानों को भी जल्द ही इस प्रणाली में सम्मिलित किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर से नए थानाध्यक्षों को मालखाना चार्ज लेने में आने वाली दिक्कतों से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि अब हर वस्तु का ब्योरा सॉफ्टवेयर में पहले से ही दर्ज रहेगा। इससे समय की बचत होगी और कार्यप्रणाली अधिक सुसंगठित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि निकट भविष्य में जिले के सभी थाने इस डिजिटल प्रणाली से लैस होंगे और बक्सर पुलिस प्रबंधन का उदाहरण बनेंगे।

♦ पहले चरण में जुड़ेंगे इटाढ़ी, धनसोई, बासुदेवा, तिलकराय के हाता व बगेन थाना

साल में छह माह जलजमाव से घिरा रहता है गांव, बच्चें कैसे जाएंगे स्कूल

अदफा मध्य विद्यालय के विलय पर लोगों ने जमकर काटा बवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

शिक्षा विभाग के एक फैसले से कंनझरूआ पंचायत के अदफा गांव के ग्रामीणों को आक्रोशित कर दिया है। दरअसल शिक्षा विभाग ने मध्य विद्यालय अदफा के जर्जर भवन को हवाला देते हुए इस विद्यालय को मध्य विद्यालय कमधरपुर में विलय करने का निर्णय लिया है। सोमवार को शिक्षा विभाग के इस फैसले के विरूद्ध पंचायत के मुखिया असगर अली के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने जमकर आक्रोश जताया और कहा कि आजादी के पूर्व के इस ऐतिहासिक विद्यालय को वे किसी भी सूरत में दूसरे विद्यालय में मर्ज नहीं होने देंगे।

हंगामा करने वाले ग्रामीणों का कहना है कि इस विद्यालय की स्थापना अंग्रेजी शासनकाल के दौरान वर्ष 1939 ई. में की गई थी, जबकि वर्ष 2008 में दो मंजिला भवन का निर्माण कराया गया है। फिलहाल दो मंजिला भवन का उपरी तल्ला दब गया है, लेकिन नीचे के कमरे सुरक्षित है, जिनमें कक्षाओं का संचालन आसानी से हो रहा है। बावजूद शिक्षा विभाग ने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित मध्य विद्यालय कमधरपुर में इस विद्यालय को मर्ज करने का निर्णय लिया है। विभाग के इस फैसले से यहां नामांकि बच्चों का भविष्य चौपट हो जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय लगभग 200 बच्चें नामांकित है तथा उन्हें पढ़ाने के लिए 13 शिक्षक कार्यरत है। नामांकित बच्चों में 70 से 75 प्रतिशत अनुसूचित जाति तबके बच्चों की आबादी है।

पंचायत के मुखिया असगर अली ने बताया कि जिस मध्य विद्यालय कमधरपुर में इस विद्यालय को मर्ज करने का निर्णय विभाग ने लिया है, उसकी दूरी यहां से दो किलोमीटर है तथा वह गांव साल के छह महीने पानी से घिरा रहता है।

वहीं, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग अनुसूचित जाति के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने के लिए ही ऐसा कदम उठाया है। यह भी दिलचस्प है कि उसी अदफा मध्य विद्यालय के जमीन पर 520 बेड वाले अतिपिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में सिर्फ जर्जर भवन के कारण उक्त विद्यालय के दूसरे विद्यालय में मर्ज किया जाना व्यवहार कुशल फैसला नहीं है। मुखिया ने बताया कि मध्य विद्यालय कमधरपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक पहले ही विभाग को यह लिखित दे चुके है कि उनके विद्यालय में कमरों की कमी है तथा दूसरे विद्यालय को यहां मर्ज करना संभव नहीं है। बावजूद शिक्षा विभाग अपने फैसले पर अड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि स्थापना काल से ही यह विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित हुआ है।

भवन बनने के बाद विद्यालय अदफा में संचालित होगा

अदफा मध्य विद्यालय के जर्जर भवन को तोड़कर बनवाने के लिए पिछले साल ही निर्णय लिया गया है। उस समय मैं प्रभार में नहीं था। संभवत: उसी के मद्देनजर कुछ समय के लिए विद्यालय को मर्ज किया जाएगा। नया भवन बनने के बाद विद्यालय फिर से अदफा में संचालित होगा। वैसे इस संबंध में नया कुछ आदेश नहीं आया है, जिस कारण विशेष जानकारी नहीं है। - **सुधांशु कुमार, बीईओ, डुमरांव**

बैंकों में डीएसपी ने चलाया जांच अभियान

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में बढ़ते साइबर अपराध और बैंक से जुड़ी आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में विशेष बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान सोमवार को डुमरांव, नया भोजपुर, पुराना भोजपुर, ब्रह्मपुर सहित अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों के बैंकों में चलाया गया। डीएसपी ने बताया कि बैंक परिसरों में संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान, सीसीटीवी कैमरे की स्थिति, सुरक्षा गार्ड की तैनाती, अग्निशमन यंत्र, महिला व वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यवस्था की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि बैंकों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी बैंक शाखाओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परिसर के अंदर व बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे हमेशा क्रियाशील हों, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा बैंक में मौजूद ग्राहकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने खाते या एटीएम की जानकारी साझा न करें और कोई संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस या बैंक प्रबंधन को सूचित करें। अभियान के दौरान कई बैंकों में सुरक्षा की आंशिक कमी भी पाई गई, जिसे लेकर संबंधित प्रबंधकों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। डीएसपी ने कहा कि इस तरह का अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेगा।

डुमरांव अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक पर भारी पड़े रेडियोलॉजिस्ट, निर्देश के बाद भी नहीं किया अल्ट्रा साउंड

केटी न्यूज/डुमरांव

मूल रूप से सिमरी सीचएचसी के डॉक्टर व डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में बतौर रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रेम कुमार को डीएस व सीएस के निदेशों की परवाह नहीं है। सोमवार को उन्होंने डीएस डॉ. गिरीश सिंह के कहने पर भी एक सामान्य मरीज का अल्ट्रासाउंड करने से साफ इंकार कर दिया, जबकि पूर्व में अस्पताल के निरीक्षण के दौरान सीएस डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने प्रत्येक सोमवार व बुधवार को गर्भवती महिलाओं के साथ ही सामान्य मरीजों का अल्ट्रा साउंड करने का निर्देश दे चुके है।

लेकिन, उक्त रेडियोलॉजिस्ट ने सोमवार को अस्पताल उपाधीक्षक से यह साफ कर दिया कि वे सिर्फ गर्भवती महिलाओं का ही अल्ट्रा साउंड करेंगे। इसके बाद देर तक मरीजों के अलावे रोगी कल्याण समिति सदस्य अजय राय, युवा नेता दीपक यादव समेत अन्य युवाओं ने डीएस कक्ष में हंगामा मचाया। इसके बाद डीएस ने सीएस को पत्र लिख रेडियोलॉजिस्ट पर उनके तथा सीएस के आदेश को नहीं मानने की शिकायत की है। हालांकि, हाल ही में इसी लापरवाही के कारण उन्हें सीएस ने सिमरी सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व निकासी तथा व्ययन पदाधिकारी के पदभार से मुक्त कर दिया था, बावजूद उन्होंने डीएस व सीएस के आदेश को अनसुना कर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है।

♦ बोले सिविल सर्जन... मामले में करेंगे शो-कॉज, एक ही रेडियोलॉजिस्ट नहीं कर सकते हैं सस्पेंड

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को सामान्य मरीजों के अल्ट्रा साउंड होने की जानकारी पर दक्षिण टोला निवासी ज्योति कुमारी समेत कई अन्य मरीज पहुंचे थे। उनका इलाज करने वाली डॉक्टर ने पुर्जा पर अल्ट्रा साउंड के लिए लिखा भी था, लेकिन जब ज्योति अल्ट्रा साउंड कक्ष में पहुंची तो वहां मौजूद रेडियोलॉजिस्ट प्रेम कुमार ने कहा कि यहां सिर्फ गर्भवती महिलाओं का ही अल्ट्रा साउंड होता है। संयोग से उस समय अस्पताल में रोगी कल्याण समिति सदस्य अजय राय तथा युवा नेता दीपक यादव मौजूद थे। दोनों ने उक्त रेडियोलॉजिस्ट से अस्पताल में उक्त मरीज का अल्ट्रा साउंड करने को कहा, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट अल्ट्रा साउंड करने से इंकार करने के साथ ही युवाओं से भिंड़ गए। इसके बाद दोनों अन्य युवाओं के साथ डीएस कक्ष में पहुंचे। डीएस ने पहले फोन पर रेडियोलॉजिस्ट से बात करने की कोशिश किए, लेकिन वे डीएस से फोन पर बात नहीं किए। इसके बाद वे खुद अल्ट्रा साउंड कक्ष पहुंचे, लेकिन उनके आकर कहने पर भी रेडियोलॉजिस्ट ने अल्ट्रा साउंड करने से साफ इंकार कर दिया और कहा कि वे सिर्फ गर्भवती महिलाओं का ही अल्ट्रा साउंड करेंगे। इसके बाद सीएस ने उनके खिलाफ सीएस से शिकायत की है।

हालांकि, इस मामले में सीएस खुद लाचार दिखे और बोले कि वहीं, एक रेडियोलॉजिस्ट है, यदि उसे सस्पेंड भी कर दिया गया तो वहां अल्ट्रा साउंड बंद हो जाएगा। सीएस ने कहा कि वैसे इस मामले में उनसे शो-कॉज पूछा जाएगा।

वहीं, इस संबंध में युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि वे इस मामले को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के समक्ष रखेंगे तथा उक्त गैर जिम्मेदार रेडियोलॉजिस्ट पर कार्रवाई नहीं होने पर अस्पताल परिसर में धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में व्यवस्था सुधारने के लिए जरूरत पड़ी तो उग्र आंदोलन भी किया जाएगा।

पूर्व मुखिया के खेत से समरसेबुल व मोटर चोरी

केसठ। रामपुर गांव के बधार स्थित पूर्व मुखिया नवाब सिंह के खेत से चोरों ने समरसेबुल और बिजली मोटर समेत आवश्यक सामान की चोरी कर ली है। घटना रविवार रात की है जब किसान अपने घर पर थे। अगले दिन सुबह जब नवाब सिंह खेत पहुंचे तो समरसेबुल और मोटर गायब देखकर हैरान रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास के किसान भी मौके पर पहुंच गए और चिंता जताई।

.बताया जा रहा है कि नवाब सिंह ने दस दिन पहले ही खेत में धान की खेती की तैयारी के लिए समरसेबुल लगाया था, जिससे खेत की सिंचाई की जा सके। इस चोरी से उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों किसान पहले ही महंगी खेती लागत और सिंचाई की परेशानी से जूझ रहे हैं।

ग्राम देवी मां बसवनी की वार्षिक पूजा में उमड़े श्रद्धालु

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के भदार गांव में सोमवार को ग्राम देवी मां बसवनी की वार्षिक पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न हुई। विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार देवी मां की पूजा-अर्चना की गई। पूजा कार्यक्रम में गांव की महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों से पकवान, मिठाइयाँ और फल प्रसाद स्वरूप देवी मां को अर्पित किए।

बच्चों एवं किशोर के लिए आर्ट एक्सलेंस एवं यूथ एनवायरनमेंट कोर्स के तहत प्रशिक्षण आयोजित, बोले प्रशिक्षक..

बच्चों में नकारात्मक भावनाओं को दूर करता है योग

केटी न्यूज/बक्सर

उत्कर्ष योग बच्चों में नकारात्मक भावनाओं को दूर कर उनमें एकाग्रता एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि, आनंद, सृजनात्मक और स्वास्थ्य में वृद्धि पहुंचने का सरल रास्ता है। लंबे समय से उत्कर्ष योग यह प्रयास करते आ रहा है।

सोमवार को उक्त बातें बक्सर में योग प्रशिक्षक जितेंद्र पांडेय ने बच्चों एवं किशोर के लिए आयोजित आर्ट एक्सलेंस एवं यूथ एनवायरनमेंट कोर्स के प्रशिक्षण के दौरान कहीं। प्रशिक्षक ने कहा कि आजकल बच्चों एवं किशोरों में नकारात्मक भावनाएं भय, घबराहट, व्यग्रता, कुंठा आदि की अधिकता देखने को मिल रही है। अवसाद के कारण कई बार बच्चे गलत कदम भी उठा ले रहे है तथा बहुत जल्द छोटी-छोटी बातों को लेकर अवसाद में चले जाते है। कई मामलों में तो किशोर या बच्चे छोटी-छोटी बातों को लेकर अपनी जीवन लीला तक समाप्त कर ले रहे है।

उन्होंने कहा कि उत्कर्ष योग बच्चों में सकारात्मकता को बढ़ाव दे उन्हें नकारात्मक विचारों से निकालने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि ऑर्ट आफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रविशंकरजी वैश्विक आध्यात्मिक गुरु है। उनकी शिक्षाएं और कार्य प्राचीन ज्ञान को आधुनिक जीवन से जोड़ता हैं, वे करुणा ,दयालुता क्षमाशीलता, उदारता, सम्मान, एकता और संतोष जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, उनके बताए पथ पर ही चलकर भारतवर्ष अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए योग एवं आध्यात्म के रास्ते पर चलना होगा। शिविर में भारत के प्राचीन ज्ञान में से एक योगासन एवं सुदर्शन क्रिया को भी सिखाया गया।

मौके पर योग प्रशिक्षक सहायक धर्मेंद्र पांडेय, विनीत सर्राफ, नीरज मानसिंहका, किरण सर्राफ, विकास मानसिंहका, अमित कुमार, उमेश, गंगा मिश्र, सुहाना, सौम्या, भारती, वेदांत, चैतन्य, शिवम, सत्यम, कृष्णा, अभ्युदय, मयंक, अनन्या, ज्ञान, गोविंद, रितेश, भावना, आराध्या, श्रेया आदि दर्जनों बालक एवं किशोर प्रशिक्षु उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गुमला के घाघरा में किराना दुकान से चोरी: 45 हजार का सामान व नकदी ले गए चोर,

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा चांदनी चौक नेतरहाट रोड स्थित मां लक्ष्मी स्टोर में चोरी की वारदात हुई है। दुकान के मालिक को सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। उन्होंने देखा कि दुकान की छत पर लगी शीट हटी हुई थी। सामान बिखरा पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुनीत कुमार मिंज, एसआई विकास कुमार और उपेंद्र पाठक मौके पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात चोर नजर आए। चोरों ने एक सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया और दूसरे को मोड़ दिया। दुकान से करीब 10,000 रुपए की नकदी, 4 चांदी के सिक्के और 35,000 रुपए का एलईडी टीवी चोरी हुआ है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

कोल्हान प्रमंडल के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 तक

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड शैक्षिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक शशि रंजन के द्वारा शिक्षकों के सतत पेशेवर विकास कार्यक्रम के अवधि को विस्तार दिया गया है। कोल्हान प्रमंडल अंतर्गत वर्ग 1 से 8वीं तक के शिक्षकों का सतत पेशेवर विकास के अंतर्गत ऑनलाइन प्रशिक्षण पूर्व में 1 से 30 जून तक निर्धारित था। किंतु यह ऑनलाइन प्रशिक्षण का बृहद कार्यक्रम पहली बार हुआ। जिसमें कई शिक्षकों का प्रशिक्षण अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। इसे ध्यान में रखते हुए कोल्हान प्रमण्डल के वर्ग 1 से 8वीं तक के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण का समय 10 जुलाई तक विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। यदि 10 जुलाई तक शेष शिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण नहीं किया जाता है, तो प्रशिक्षण पूर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई प्रारंभ करने की बात निदेशक के द्वारा कही गई है। साथ ही प्रशिक्षण के लिए समय का विस्तार किसी भी दशा में नहीं किया जाएगा।

रांची के गौरव खेमका की बड़ी सफलता, देशभर में हासिल की 42वीं रैंक

रांची, एजेंसी। सपनों की ऊंचाई तब तय होती है जब मेहनत की उड़ान लंबी हो।卐 रांची के डंगराटोली निवासी गौरव खेमका ने यह साबित कर दिखाया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा मई 2025 में आयोजित सीए फाइनल परीक्षा में गौरव ने अखिल भारतीय स्तर पर 42वीं रैंक हासिल की है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने न सिर्फ रांची परीक्षा केंद्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बल्कि शहर और राज्य का नाम रोशन भी किया।सीए फाइनल परीक्षा के नतीजों में रांची से गौरव खेमका टॉप पर रहे, जबकि रिद्धिमा अग्रवाल द्वितीय, अर्पित राज तृतीय, वंश फोगला चतुर्थ और शिवम लाखोटिया पंचम स्थान पर रहे।सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में रांची से अभिनव कल्याणी, विदथ भारद्वाज, राधिका काबरा, प्रियांशु कुमार और आराध्य राज ने शीर्ष पांच स्थान प्राप्त किए। इन प्रतिभाशाली छात्रों की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि रांची का शैक्षणिक माहौल अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

सीएम सोशल मीडिया पर एक्टिव, दिल्ली से सुलझाई दर्जनों शिकायतें

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 जून से अपने पिता शिबू सोरेन के इलाज को लेकर दिल्ली में हैं। राज्य से दूर रहने के बावजूद सीएम सभी प्रशासनिक कार्यों पर नजर बनाये हुए हैं। मुख्यमंत्री लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से न केवल आलाधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं, बल्कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित करा रहे हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने दिल्ली से अब तक एक दर्जन से अधिक जनशिकायतों का निपटारा किया है। इनमें स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, और दिव्यांगजनों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ही उन्होंने घायल अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल तिकी को शीघ्र बेहतर इलाज कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। वहीं मूकबधिर सौम्या को आवश्यक मशीन मुहैया कराने का भी आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों में व्यक्तिगत दिलचस्पी दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत जरूरी निर्देश दिया।

सरकारी दफ्तर में सिगरेट पीना कर्मचारी को पड़ा महंगा,

सीएम के निर्देश पर डीसी ने किया सस्पेंड

रांची, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के एक सरकारी कार्यालय में खुलेआम सिगरेट पीने पर एक कर्मचारी के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर उपायुक्त चंदन कुमार ने कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। कर्मचारी की पहचान जगन्नाथपुर प्रखंड कार्यालय के जन सेवक, जगमोहन सोरेन के रूप में हुई है। साथ ही उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को लापरवाह कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को भी कहा है।

दरअसल, एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सरकारी कर्मचारी जगमोहन सोरेन कार्यालय में बैठकर सिगरेट पीते दिख रहे थे। यह बात सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंच गई। इस वीडियो को के।देवराज हेस्सा नामक शख्स ने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया था। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फौरन संज्ञान लिया। उन्होंने सख्त नाराजगी जताते हुए पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त को टैग कर लिखा कि विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई करते हुए सूचना दें। यह स्थिति बिल्कुल बर्दाश्त के काबिल नहीं है।

मुख्यमंत्री का निर्देश मिलते ही पूरा जिला प्रशासन संबंधित कर्मचारी की पहचान करने में जुट गया। पहचान होते ही उपायुक्त ने संबंधित कर्मचारी को फौरन सस्पेंड कर मुख्यमंत्री को बताया कि वीडियो में प्रदर्शित सरकारी कार्यालय में अशोभनीय कृत के लिए जगमोहन सोरेन- जन सेवक को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2016 के कंडिका 9(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उप विकास आयुक्त को विधिवत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया है।

वहीं, के।देवराज हेस्सा ने मामले पर फौरन संज्ञान लेने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताते हुए लिखा कि सरकारी दफ्तर में बरते जा रहे अशोभनीय आचरण के विरुद्ध आधी रात को आपका एक्शन मोड में होना यह बताता है कि राज्य के प्रहरी मुख्यमंत्री जनसमस्याओं के प्रति सदैव सजग हैं।

बता दें कि 11 जून 2025 को ही सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2021 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की स्वीकृति मिली थी। इसके तहत झारखंड में सार्वजनिक स्थान यानी पब्लिक प्लेस में सिगरेट पीते पकड़े जाने पर 1000 रुपए का जुर्माना लगेगा। इस संशोधन विधेयक को करीब चार साल पहले हेमंत सरकार ने विधानसभा से पारित कराया था। इस संशोधन विधेयक के स्वीकृत होने से पहले तक राज्य में पब्लिक प्लेस में सिगरेट पीने पर 200 रुपए जुर्माना का प्रावधान था जो अब पांच गुणा बढ़कर 1000 रुपए हो गया है।

हजारीबाग के इस सरकारी कार्यालय में बड़ा हादसा, बारिश के बीच ढह गयी जर्जर चहारदीवारी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के जीएसटी राजस्व संग्रहण कार्यालय राज्य-कर भवन में रविवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। यहां भवन के पिछले हिस्से में स्थित जर्जर चहारदीवारी अचानक ढह गई। इससे लोगों में असुरक्षा बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, हजारीबाग शहर के महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में से एक जीएसटी राजस्व संग्रहण कार्यालय राज्य-कर भवन के पिछले हिस्से (कचहरी तरफ का भाग) में जर्जर दीवार अचनक पूरी तरह गिर गया।

यह घटना हर दिन रूक-रूक कर हो रही बारिश के बीच हुई। बताया जाता है कि यह दीवार बहुत पुरानी और जर्जर हो चुकी थी। लेकिन काफी लंबे समय से कभी भी चहारदीवारीकी कोई मरम्मती नहीं हुई थी। चहारदीवारी गिरने से इसमें लगे ईंट और प्लास्टर झड़कर जमीन पर गिर रहे हैं।

इधर, संबंधित अधिकारियों ने कार्यालय का दीवार गिरने की जानकारी रांची मुख्यालय को दे दी है। इसमें बताया गया है कि पहले की बनी हुई चहारदीवारी काफी जर्जर हो गई है। वहीं, शुरूआती बारिश में जर्जर चहारदीवारी गिरकर धाराशायी हो गई है। इससे राज्य-कर भवन परिसर में असुरक्षा बढ़ी है। परिसर के अंदर दर्जनों पुरानी गाड़ियां खड़ी हैं।

वहीं, चेकिंग के दौरान अधिकारियों की ओर से पकड़ी गई विभिन्न तरह की सामान लोडेड गाड़ियों को परिसर में खड़ा कर सुरक्षित रखा जाता है। लेकिन दीवार के टूट जाने से गाड़ियों में रखे सामान और अन्य चीजों का रख-रखाव असुरक्षित हो गया है। इसकी मरम्मती या फिर नये सिरे से चारदिवारी के निर्माण कार्य करने को लेकर विभाग से मांग की गई है।

तालाब में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत, गांव में मची चीख-पुकार

रनिया, एजेंसी। खूंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र के बघिया आरसी टोली में नहाने गए दो बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गयी। घटना कल रविवार की शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय आशीष केरकेट्टा और 9 वर्षीय बिल्फ्रेड मड़की के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल रविवार को दोनों बच्चे नहाने के लिए तालाब गए थे। शाम होने के बाद भी जब बच्चे वापस घर नहीं लौटे तो परिजनों ने पड़ोसियों के घरों में खोजबीन खोजबीन शुरू की। लेकिन, रात तक बच्चों की कोई जानकारी नहीं मिली।

आज सोमवार की सुबह तालाब किनारे शौच करने गए गांव के एक व्यक्ति ने तालाब में बच्चों का शव देखा और इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाला। घटना की जानकारी पाकर रनिया थाना पुलिस बघिया गांव पहुंची और दोनों किशोर के परिजनों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल खुंटी भेज दिया है। इधर घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए जगजीवन राम, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

चाईबासा, एजेंसी। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर रविवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में कांग्रेसियों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेसियों ने कहा कि बाबू जगजीवन राम आजादी की लड़ाई से ही शोषितों और वंचितों की आवाज को उठाने का बीड़ा उठाया था। खुद के जीवन में शोषण के खिलाफ बगावत करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन का झंडा उठाकर दलित-पिछड़ों को सम्मान दिलाने के मिशन की अगुवाई का उदाहरण पेश किया।

संसद में जनप्रतिनिधि, उप प्रधानमंत्री, कई महत्वपूर्ण विभागों में केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष एवं विचारक की भूमिका में उनका योगदान अतुलनीय है। बाबू जगजीवन राम ने देश को सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक अधिकारों की ताकत का एहसास कराया।

इस दौरान कांग्रेसियों ने उनके सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते रहने का संकल्प लिया। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महासचिव लियोनार्ड बोदरा, प्रवक्ता त्रिशानु राय, शिक्षा विभाग चेयरमैन पुरुषोत्तम दास पान, सोशल मीडिया चेयरमैन रवि कच्छप, नगर अध्यक्ष मो।सलीम, वरीय कांग्रेसी सुरसेन टोपनो, महीप कुदादा, नंद गोपाल दास, नगर उपाध्यक्ष सुभाष राम तुरी मौजूद थे।

कंपोजिट यूजर शुल्क मामले में हाईकोर्ट के फैसले से प्रार्थियों को बड़ी राहत, इस दिन होगी अगली सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड हाइकोर्ट में कंपोजिट यूजर शुल्क मामले में दायर 100 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई की गयी। अदालत ने प्रार्थियों को अस्थायी राहत दी है। जानकारी के अनुसार, मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। इसमें सुनवाई की अगली तारीख 6 अगस्त की है।

खंडपीठ ने राज्य सरकार के महाधिवक्ता के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा कि प्रार्थियों को अस्थायी राहत दी जा रही है। इस शुल्क के बिना ही उन्हें परमिट मिलते रहेंगे। खंडपीठ ने सभी याचिकाओं को एक साथ सूचीबद्ध करते हुए अगली सुनवाई की तारीख छह अगस्त तय की है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन व अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा।

इन्होंने खंडपीठ को बताया कि अभी इस शुल्क की वसूली नहीं की जायेगी। स्पष्ट किया कि भले ही यह शुल्क जिम्मस पोर्टल पर दिख रहा हो। लेकिन प्रार्थियों को वर्तमान में इसे चुकाने की कोई आवश्यकता नहीं है। महाधिवक्ता राजीव रंजन व अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने कहा, हालांकि यह शुल्क प्रार्थियों द्वारा देय दिखाया जा रहा है। लेकिन उन्हें वर्तमान में इसका भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। उनके द्वारा भुगतान किये बिना भी अपेक्षित परमिट जिम्मस पोर्टल के माध्यम से जारी किये जायेंगे।

वहीं, रिट याचिकाओं पर निर्णय होने के बाद, जिसके लिए सुनवाई की जल्द तारीख मांगी गयी है। अगर फैसला प्रतिवादियों के पक्ष में होता है, तो उक्त राशि का संग्रह किया जायेगा। महाधिवक्ता की बातों को खंडपीठ ने कोर्ट के रिकॉर्ड पर लिया। वहीं, प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता सुमित गाडोदिया और अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की।

इन्होंने खंडपीठ को बताया कि राज्य सरकार खनन कार्यों से संबंधित परमिट जारी करने के लिए 1200 रुपये का कंपोजिट यूजर शुल्क ले रही है। यह राशि झारखंड माइंस एंड मिनरल्स पोर्टल (जिम्मस पोर्टल)) पर जोड़ दी जाती है, जो कि पूरी तरह से गैरकानूनी है। अधिवक्ता गाडोदिया ने कहा कि यह शुल्क बिना किसी वैध अधिसूचना के लगाया जा रहा है। राज्य सरकार का ऐसा कोई अधिकार नहीं बनता कि वह एकतरफा तरीके से इस तरह का शुल्क तय करे। खनन विभाग द्वारा लगाया जा रहा शुल्क अवैध व उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

ट्रैक के नजदीक हाथी के आते ही कंट्रोल व चालक को मिलेगी सूचना

धनबाद, एजेंसी। रेलवे ट्रैक के समीप आने वाले हाथियों की निगरानी के लिए धनबाद-गया ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन में चिचाकी-हजारीबाग रोड और केशवारी व चौबे अनुभाग में आइडीएस (इंटूजन डिटेक्शन सिस्टम) से लैस करने की कवायत तेज हो गयी है। जरूरी प्रक्रिया पूरी कर रेलवे की ओर से टेंडर की प्रक्रिया की गयी है। इसका फायदा आने वाले दिनों में मिलने लगेगा।

सिस्टम के चालू होने के बाद जहां ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बचेगी। वहीं दूसरी ओर ट्रेन की टक्कर से हाथियों की मौत नहीं होगी। रेलवे की ओर से जनवरी माह में भी इसकी प्रक्रिया की गयी थी। दूसरे जगहों पर लगे सिस्टम की टेस्टिंग का इंतजार किया जा रहा है।

हाथियों के रेलवे ट्रैक के पास पहुंचते ही रेलवे को इसकी जानकारी मिल जायेगी। समय रहते ट्रेनों को रोक दिया जायेगा या सावधानी के साथ चलाया जायेगा। इसके लिए रेलवे की ओर से ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन को आइडीएस (इंटूजन डिटेक्शन सिस्टम) से लैस किया जायेगा।

25 जुलाई तक टेंडर डाला जायेगा। काम आवंटित होने के छह माह में काम पूरा कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी सेंट्रलाइज्ड मॉनिटरिंग धनबाद से होगा। हजारीबाग को भी कंट्रोल का अधिकार दिया जायेगा।

यह उपकरण धनबाद रेल मंडल में पहली बार इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि दूसरे रेल मंडलों में भी इसे लगाया गया है। ट्रैक के करीब आने वाले हाथी या फिर हाथी के बच्चे की पहचान करने के लिए एआइ का इस्तेमाल किया जायेगा। प्रणाली में हाथी व उसके बच्चे के चित्र को डाला जायेगा। यह प्रणाली तभी काम करेगी, जब हाथी या हाथी का बच्चा सामने आये। इसके अलावा दूसरा कोई भी जानवर इस प्रणाली के करीब आता है, तो यह काम नहीं करेगा। आइडीएस के तहत ओएफसी केबल को जमीन के नीचे बिछाया जाता है। साथ ही सेंसर लगाये जायेंगे। हाथी जब केबल के नजदीक आयेंगे, तो यह कंट्रोल रूम को सूचना देगा। साथ ही ग्रेंड कॉड लाइन में चल रहे लोको पायलट को इसकी सूचना मिल जायेगी और लोको पायलट ट्रेन को रोक देगा। ट्रैक क्लीयर होने पर ही ट्रेन पास होगी। यह प्रणाली हजारीबाग रोड के 40 किलोमीटर अप व डाउन लाइन को कवर करेगी। सिस्टम को चिचाकी-हजारीबाग रोड और केशवरी-चौबे तक लगाया जाना है। यह गोमो के पास से लेकर कोडरमा तक कवर करेगा। इसके लिए चार करोड़ 83 लाख 62 हजार 797 रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है।

मुख्य मंदिर लौटे प्रभु जगन्नाथ, रथ खींचने उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा भी हुए शामिल

खरसावां, एजेंसी। हरिभंजा में कल शनिवार की देर शाम चतुर्था मूर्ति प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र, देवी सुभद्रा व सुदर्शन की बाहुड़ा यात्रा निकाली गयी। भक्तों के समागम, जय जगन्नाथ की जयघोष, शंखध्वनी व पारंपरिक हुल-हुली के बीच भाई-बहन के साथ प्रभु जगन्नाथ अपने मौसी के घर गुंडिचा मंदिर से वापस श्रीमंदिर लौटे। सैकड़ों भक्तों ने श्रद्धा व उत्साह के साथ भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष को खींच कर गुंडिचा मंदिर से श्रीमंदिर तक पहुंचाया। आम भक्तों के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी प्रभु जगन्नाथ के रथ को खींचा। इस दौरान सभी धार्मिक रीति-रिवाजों को निभाया गया।

हरिभंजा में रथ पर प्रभु की महाआरती आरती हुई साथ ही अधरपणा व छप्पन भोग भी लगाया गया। इसके बाद चतुर्था मूर्ति को रथ से श्री मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर रत्न सिंहासन में आरुढ़ कर महाआरती की गयी। साथ ही भव्य श्रंगार किया गया। मौके पर प्रभु जगन्नाथ की ओर से मां लक्ष्मी को रसगुल्ला भेंट किया गया। बाहुड़ा रथ यात्रा के सभी धार्मिक रस्मों को मंदिर के मुख्य पुरोहित प्रदीप कुमार दाश, भरत त्रिपाठी समेत अन्य सेवायतों ने संपन्न कराया। मौके पर हरिभंजा के जमीनदार विद्या विनोद सिंहदेव, संजय सिंहदेव, राजेश सिंहदेव, पृथ्वीराज सिंहदेव समेत अन्य उपस्थित रहें।

बाहुड़ा यात्रा की समाप्ती पर हरिभंजा के मंदिर में प्रभु जगन्नाथ नें मां लक्ष्मी को उपहार में रसगुल्ले भेंट किये। मान्यता है कि 8 दिनों तक भाई-बहन के साथ गुंडिचा मंदिर में प्रभु जगन्नाथ के रहने के कारण मां लक्ष्मी प्रभु जगन्नाथ से नाराज हो जाती है। जब प्रभु जगन्नाथ 9वें दिन गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं, तो मां लक्ष्मी अंदर से दरवाजा बंद कर देती है। इसमें भी भक्तों की दो टोली रहती है। एक प्रभु जगन्नाथ के साथ तो दूसरा मां लक्ष्मी के साथ। इस दौरान पांच मीनट तक दोनों के बीच नोक-झोंक होती है। काफी मान-मनौवल के बाद मां लक्ष्मी अंदर से दरवाजा खोलती है। तब प्रभु जगन्नाथ मां लक्ष्मी को उपहार स्वरुप रसगुल्ले भेंट करते है।

डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करें : मुंडा

चाईबासा, एजेंसी। भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने सर्वप्रथम माल्यार्पण किया। इसके उपरांत सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनकी विचारधारा आज भी भारतीय जनता पार्टी की प्रेरणा स्रोत है। हमें उनके सपनों का भारत गढ़ने के लिए कार्य करना है। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता जे।बी। तुबिद और पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने भी डॉ। मुखर्जी के जीवन और योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने डॉ। मुखर्जी को भारतीय राजनीति के एक सच्चे राष्ट्रनायक के रूप में स्मरण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुवर गागराई, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, जितेंद्र नाथ ओझा,प्रदेश प्रवक्ता जे।बी। तुबिद, पूर्व विधायक गुरु चरण नायक,अशोक सारंगी, गीता बलमुचू समेत काफी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ज्वेलरी शॉप की रूफिंग शीट को काट महिला ने चुराए लाखों के आभूषण, सीसीटीवी में कैद हुई पुरी घटना

चक्रधरपुर, एजेंसी। गुदड़ी बाजार चक्रधरपुर में रविवार की सुबह एक सनसनीखेज चोरी की घटना सामने आई है। यहां एक अज्ञात महिला चोर ने नरेश प्रसाद ज्वेलर्स एंड बर्तन हाउस दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया।

यह घटना रविवार की अहले सुबह करीबन 2-50 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह जब दुकान के मालिक राजु कसेरा ने दुकान खोला तो देखा कि उपर के अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण रखने वाले शो स्टैंड काउंटर पर रखा हुआ था। इसके बाद वह काउंटर में जा कर बैठ गए तब उन्होंने देखा कि सामने छत की ओर से तेज रौशनी आ रही है। यह देख वह चौंक गए। इसके बाद वह ठीक से छत को देखा तो छत में लगा हुआ स्टील आयरन रूफिंग शीट कटा हुआ मिला।इसके बाद उन्होंने ने दुकान में लगी सीसीटीवी डीवीआर की रिकॉर्डिंग फुटेज को प्लेबैक कर चेक किया तो उन्हें पता चला कि अहले सुबह 02-50 से 55 बजे के बीच सलवार जंपर पहनी एक महिला मुंह में पट्टी बांध दुकान में रखे आभूषणों की चोरी करती दिखाई पड़ी।

साथ ही फुटेज में दिखा कि महिला रूफिंग शीट को काट कर दुकान के भीतर चोरी करने घुसी थी। रूफिंग शीट को काटने के दौरान महिला की हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया, जिससे पूरे दुकान में और गेट के पास खून के धब्बे मिलना शुरू हो गए।

माना जा रहा है कि यही खून के निशान अब इस चोरी के जांच की सबसे बड़ी कड़ी साबित हो सकते हैं। चोरी की खबर मिलते ही थाना प्रभारी अवधेश कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। दुकान में लगे सीसी फुटेज को खंगालने पर महिला की तस्वीरें साफ-साफ सामने आई।महिला ने बड़ी ही चतुराई से घटना को अंजाम दिया, लेकिन जख्मी होने की वजह से वह अपने सुराग भी पीछे छोड़ गई है। पुलिस अब आसपास के सरकारी अस्पतालों और निजी नर्सिंग होम से जानकारी जुटा रही है, जहां किसी महिला का कटे हाथ का इलाज हुआ हो।

अनुमान लगाया जा रहा है कि घायल अवस्था में महिला को कहीं न कहीं इलाज जरूर कराना पड़ा होगा। गुदड़ी बाजार में यह पहली बार है जब किसी महिला ने इतनी बड़ी चोरी को अंजाम दिया है। इससे न केवल स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया है, बल्कि पुलिस भी इसे बेहद गंभीरता से ले रही है।चोरी गए गहनों की कीमत लाखों में आंकी गई है। दुकान के मालिक ने अज्ञात महिला चोर के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस टीम महिला की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

सिंपल कुर्ती के साथ बेस्ट रहेंगी ट्रेंडी इयररिंग्स की ये डिजाइंस

अगर आप सिंपल कुर्ती पहन रही हैं तो इस कुर्ती के साथ आप ये लेटेस्ट डिजाइंस वाली इयररिंग्स वियर कर सकती हैं।

इयररिंग्स आपके लुक को कम्पलीट करने का काम करते हैं। इसी वजह से महिलाएं अपने आउटफिट के साथ वियर करने के लिए इयररिंग्स बड़े ही सोच समझ कर लेती हैं। वहीं अगर आप सिंपल कुर्ती वियर कर रही हैं और इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड है कि इस तरह की कुर्ती के साथ किस तरह का इयररिंग्स पहने तो इस आर्टिकल की मदद से आप एक परफेक्ट इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं।

कुंदन झुमकी डिजाइन

कुर्ती के साथ आप कुंदन झुमकी वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमकी आप किसी खास मौके पर अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह झुमकी आपको आसानी से बाजार या ऑनलाइन प्लेटफार्म में मिल जाएंगी। इन झुमकी में मिरर वर्क किया गया है साथ ही इन झुमकी में मोती भी लगाए गए हैं। इस तरह झुमकी पस्टेल कलर में मिल जाएंगी जिन्हें आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमको आप कई सारे डिजाइन और कलर में 200 से 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

पर्ल इयररिंग्स

यह पर्ल इयररिंग्स इन दिनों काफी ट्रेंड में है और इस तरह इयररिंग्स भी आप अपने सिंपल कुर्ती के साथ वियर कर सकती हैं। यह पर्ल इयररिंग्स आपको कई सारे डिजाइन में मिल जाएंगे जिन्हें आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन दोनों ही जगहों से खरीद सकती हैं ।इस पर्ल इयररिंग्स में सिर्फ एक मोती हैं जिसकी वजह से पर्ल इयररिंग्स काफी खूबसूरत नजर आती है और इस तरह के पर्ल इयररिंग्स को आप 300 तक की रेंज में खरीद सकती हैं।

चांदबाली इयररिंग्स

यह चांदबाली इयररिंग्स भी आप अपने आउटफिट के साथ मैच कर वियर कर सकती हैं। जहां ये चांदबाली इयररिंग्स सिंपल कुर्ती के साथ स्टाइल की जा सकती है तो वहीं ये चांदबाली इयररिंग्स गोल चेहरे वाली महिलाओं पर भी बेस्ट लगेंगी। यह चांदबाली इयररिंग्स आपको आसानी से मार्केट में मिल जायेंगी साथ ही ऑनलाइन भी आप इस तरह की इयररिंग्स भी आप इस तरह की इयररिंग्स 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

अगर आपका बच्चा विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करने का फैसला ले चुका है, तो ऐसी स्थिति में माता-पिता के रूप में आपको क्या करना चाहिए या आपकी क्या जिम्मेदारी बनती है?

पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहता है बच्चा? मां-बाप कैसे लें सही फैसला

कई माता-पिता इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर भेजें या नहीं। यह सफर हमारे जीवन में कई बदलाव लाता है। यह भावनात्मक रूप से एक झूले की तरह होता है जिसमें उत्साह, चिंता और अपार विकास के अवसर होते हैं। अपने बच्चे को दूर भेजना आसान काम नहीं होता है बल्कि इसके लिए बहुत सारा भरोसा, साहस और गहन शोध की जरूरत होती है। कई पेरेंट्स अपने बच्चे को पढ़ाई या नौकरी के लिए घर से दूर भेज देते हैं। कभी-कभी तो यह काफी सुहावना लगता है लेकिन इसके साथ परेशानियां भी हैं। इसमें अवसर हैं, तो बच्चे को लेकर डर भी बना रहता है। ऐसे में एक भरोसा ही है जिसके दम पर पेरेंट्स अपने बच्चे को अपने आप से और घर से इतना दूर भेज देते हैं।

क्या होता है भरोसा करने का फायदा

आप अपने बच्चे के विदेश में पढ़ाई करने के फैसले पर भरोसा करते हैं और उनके निर्णय पर विश्वास जताते हैं। इससे बच्चे अपनी जर्नी में अधिक आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करते हैं। माता-पिता को समझना चाहिए कि उनका डर बच्चे के उत्साह को कम न करे और उन्हें यह साहसिक कदम उठाने दें।

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना और उन्हें बताना कि आप उस पर भरोसा करते हैं, उनके आत्मविश्वास और सशक्तिकरण में बड़ा योगदान दे सकता है। इससे आप अपने बच्चे को अनंत अवसरों के सागर में डुबकी लगाने का मौका देते हैं।

बच्चे की च्वॉइस

हो सकता है कि आपको अपने बच्चे का विदेश में पढ़ने का फैसला पसंद न आए फिर भी आप उनका समर्थन करें। हो सकता है वो ऐसे देश में जाना चाहें, जिसके बारे में आप ज्यादा नहीं जानते हैं या फिर ऐसा कोर्स चुनें जो आपको थोड़ा अजीब लगे। उनके फैसलों को मान्य समझें क्योंकि उन्होंने शायद इस पर काफी सोच-विचार किया होगा। याद रखें, ये उनकी खुद की जिंदगी का सफर है और आपको उनका साथ देना चाहिए।

इमोशनल सपोर्ट

विदेश में पढ़ाई करने का सपना आपके बच्चे के लिए रोमांचक जरूर होगा, लेकिन कभी-कभी थोड़ा डरावना भी हो सकता है। ऐसे में उन्हें आपके भावनात्मक सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। उनकी बात सुनने के लिए हमेशा मौजूद रहें, उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं। अपने शब्दों और विश्वास से उनका हौंसला बढ़ाएं।

कनेक्ट रहना

बच्चे का दूर जाना भले ही जरूरी हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप उनका साथ छोड़ दें। उनके साथ जुड़े रहना और मजबूत रिश्ता बनाए रखना जरूरी है। इससे उन्हें दूर रहते हुए भी भावनात्मक सहारा मिलेगा और वो आत्मनिर्भर बनने में सक्षम होंगे। आधुनिक तकनीक ने तो इसे और भी आसान बना दिया है। आप वीडियो कॉल के जरिए उनसे बात कर सकते हैं और उनसे जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। साथ ही, आप उनकी छुट्टियों में उनसे मिलने भी जा सकते हैं।

रिसर्च में साथ देना

बेशक, रिसर्च में आपके बच्चे को ही आगे रहना चाहिए, लेकिन इसमें आपका शामिल होना दोनों के लिए ही राहत का काम कर सकता है। आप उनके साथ कॉलेजों, प्रोग्रामों और जगहों के बारे में रिसर्च कर सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको पता चलेगा कि उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं, बल्कि आप उन्हें अपना ज्ञान और सलाह भी दे सकते हैं।

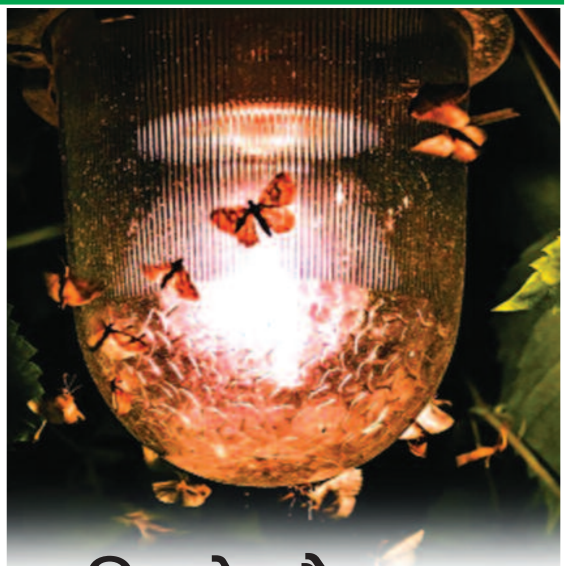

बारिश के दौरान इन तरीकों से पाएं कीड़े मकोड़े से छुटकारा

बारिश के मौसम में बल्ब या रोशनी करते ही कीड़ों का झुंड टूट पड़ता है। घर में कीट-पतंगे के आने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मानसून का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में कई प्रकार की समस्या पैदा हो जाती है जैसे दीवारों पर नमी आना, कपड़ों से बदबू, अनाज में सीलन आ जाना इत्यादि। इन्हीं दिक्कतों में एक और परेशानी है- रोशनी करते ही कीड़ों का आना। बारिश के दौरान रात के वक्त बल्ब जलाने पर घर के अंदर कीट-पतंगे घुस आते हैं। इस स्थिति में खाना बनाने से लेकर किसी अन्य काम को करना दुश्वार हो जाता है। इन कीड़ों की संख्या इतनी ज्यादा होती है कि इन्हें बाहर निकालना काफी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो ये बरसाती कीड़े बल्ब में चिपके-चिपके ही मर जाते हैं। अगर आप इन बरसाती कीड़ों से बचना चाहते हैं ये घरेलू उपाय बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप बरसाती कीट-पतंगों से निजात पा सकते हैं।

अच्छे से करें सफाई

बेहतर रोशनी के लिए हम सभी कमरे में लाइट लगाने के साथ-साथ बालकनी से लेकर खिड़की और मुख्य दरवाजे के बाहर भी बल्ब लगाते हैं। कीड़ों से बचने के लिए बल्बों के अगल-बगल के हिस्से की सफाई करना जरूरी है। मानसून शुरू होते ही आप इस हैक को अपना सकती हैं। इसके लिए एक बाल्टी में एक चौथाई पानी लें। अब इसमें नींबू का रस और 1 चम्मच सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस घोल की मदद से खिड़की और दरवाजे की अच्छे से क्लीनिंग करें। इसके साथ ही ट्यूब लाइट को नम कपड़े की मदद से पोंछे। इस तरकीब से कीड़ों का आना कम हो जाएगा। मानसून के दौरान आने वाले कीड़ों से बचने के लिए आप घर पर इंसेक्ट फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। इसको तैयार करने के लिए एक बर्तन में पानी लें। अब इसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा, यूकेलिप्टस, सिट्रोनेला ऑयल और लेमन जूस डालकर मिक्स करें। अब इस लिक्विड का उन जगहों पर छिड़काव करें जहां पर बल्ब जलता है।

ये हैक्स भी है कारगर

बल्ब पर लगने वाले कीट-पतंगों को दूर करने के लिए आप किसी पेड़ की पत्ती लगी डाल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए हल्के पौधे जैसे कनेर की डाल का उपयोग कर सकती हैं। इस हैक को अपनाने के लिए सबसे पहले डाल की एक टहनी तोड़कर उसे बल्ब के ऊपर फंसा दें। इसके बाद बल्ब जलाए। ऐसा करने से घर के अंदर कम आएंगे।

नीम के तेल का कर सकती हैं उपयोग

कीड़ों को दूर भगाने के लिए आप नीम के तेल का यूज कर सकती हैं। इसके लिए नीम के तेल को स्प्रे बोतल में भरकर उसका छिड़काव करें।

घर के बाहर लाइट जलाएं

घर के अंदर कीड़े को कम करने के लिए बाहर की लाइट जलाएं। यह उपाय अंधेरा होने से पहले करें। ऐसा करने से उड़ने वाले कीड़े घर के अंदर की बजाय बाहर की लाइट की ओर आकर्षित होंगे।

लहसुन से कीड़ों को करें दूर

इस उपाय को इस्तेमाल में लाने के लिए लहसुन का घोल बनाएं। इसके लिए लहसुन के रस और पानी को 1:6 के अनुपात में मिलाएं। आप जिस आकार या क्षेत्र में स्प्रे करना चाहते हैं,उसके आधार पर मात्रा अलग-अलग होगी। बिजली के खतरे से बचने के लिए छिड़काव सावधानी से किया जाना चाहिए।

मानसून के कारण गद्दे से आने लगती है बदबू साफ रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मानसून में घर में आने वाली नमी के कारण हर-जगह से स्मेल आने लगती है, जिसमें बिस्तर से लेकर कपड़े भी शामिल है। गद्दो में बदबू के साथ पूरे मौसम नमी बरकरार रहती है। इस वजह से बिस्तर में कीटाणु पनपने लगते हैं, जो हमें नॉर्मल आंखों से दिखाई नहीं पड़ते हैं। इसकी वजह से रात में सोते वक्त दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह दिक्कत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब घर में छोटे बच्चे हो। ऐसे में बिस्तर को स्मेल फ्री रखना सबसे बड़ा काम होता है। इस आर्टिकल में आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप बिस्तर में आने वाली बदबू को दूर रख सकती हैं।

गद्दे और तकिए से आने वाली बदबू को ऐसे करें दूर मानसून में अक्सर बच्चे अंदर-बाहर करते और झटपट बिस्तर पर चढ़ जाते हैं। ऐसे में उनके पैर हाथ में मौजूद पानी गद्दे और चादर पर लग जाता है और सही धूप न मिल पाने के कारण इनमें से गंध आने लगती है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप चादर के नीचे बड़ी पॉलीथीन बिछाएं। पन्नी नमी को गद्दे तक नहीं पहुंचने देगी।

बिस्तर को हफ्ते में 3 से 4 बार दिखाए धूप

गद्दे को स्मेल फ्री बनाने का सबसे सस्ता और आसान जुगाड़ यह है कि इसे हफ्ते में जितने बार भी धूप दिखे, उसे सुखाएं। इससे मैटर्स में मौजूद नमी खत्म हो जाएगी।

सोडा का करें छिड़काव

गद्दे से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप बेकिंग सोडा का उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले बिस्तर पर विनेगर का स्प्रे करें। सूखने के बाद इसके ऊपर सोडा का छिड़क कर कुछ समय के लिए छोड़ दें। अब कपड़े की मदद से रगड़ते हुए क्लीन करें।

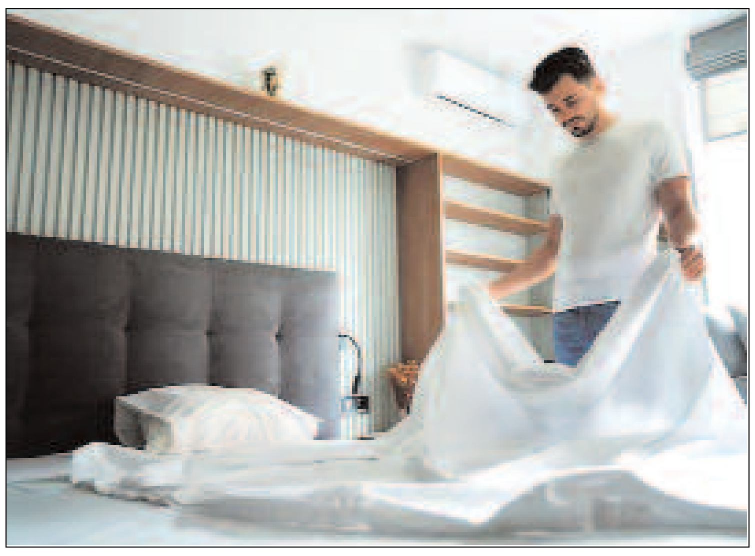

अंबानी ने संभाली अमेरिका को ग्रेट अगेन बनाने की कमान!

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल अमेरिका में जब राष्ट्रपति चुनाव हुए थे तो डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा दिया था। लेकिन चुनाव जीतने के बाद पासा उल्टा नजर आ रहा है। चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाकर ट्रेड वॉर शुरू कर दिया। इससे कई देश नाराज हो गए।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक ओटावा से लेकर बीजिंग तक, कई देश ट्रंप की नीतियों से खुश नहीं हैं। लेकिन, इस ट्रेड वॉर से अमेरिका को कुछ दोस्त भी मिले हैं। न केवल भारत बल्कि एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी ने अमेरिका को ग्रेट अगेन बनाने की जिम्मेदारी संभाल ली है। वह अमेरिका से आने वाले माल का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। यह माल पहले चीन जाने वाला था, लेकिन अब भारत भेजा जा रहा है। जिस जहाज का मुकेश अंबानी इंतजार कर रहे हैं, उसमें एथेन भरा हुआ है।

किस काम आती है एथेन– एथेन एक रंगहीन और गंधहीन गैस है। यह नेचुरल गैस का एक हिस्सा है। इसे ठंडा करके तरल रूप में जहाजों में भरकर लाया जाता है। ऐसा ही एक जहाज अमेरिका के गल्फ कोस्ट से गुजरात के दाहेज में अंबानी के टर्मिनल की ओर आ रहा है। दाहेज, गुजरात के पश्चिमी समुद्र तट पर है। यहां अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एथेन क्रैकर है। इस क्रैकर में एथेन से एथिलीन बनाया जाता है। एथिलीन प्लास्टिक के प्रोडक्ट बनाने के लिए बहुत जरूरी है।

क्या है मुकेश अंबानी का प्लान

मुकेश अंबानी अपनी एथेन कैरियर की फ्लीट में तीन और जहाज जोड़ने की योजना बना रहे हैं। अब जब ट्रंप के एलन मस्क के साथ रिश्ते खराब हो गए हैं, तो अमेरिका में एक नए अरबपति मेहमान के लिए जगह हो सकती है। ऐसे में ट्रंप और अंबानी दोनों को एक-दूसरे से दोस्ती करने में फायदा हो सकता है।

चीन के साथ ट्रेड वॉर अभी रुकी हुई है, लेकिन अमेरिकी एथेन का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। भारत, चीन जितना एथेन तो नहीं खरीद सकता, लेकिन वह कुछ एथेन जरूर खरीद सकता है। ट्रंप यह कह सकते हैं कि उनकी ट्रेड पॉलिसी से अमेरिका फिर से महान बन रहा है।

मुकेश अंबानी के जियो ब्लैकरॉक ने बनाया रेकार्ड

तीन दिन में जुटाए 17800 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो ब्लैक रॉक म्यूचुअल फंड ने सोमवार को एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने अपना पहला न्यू फंड ऑफर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस एनएफओ में उन्हें कुल 17,800 करोड़ रुपये का निवेश मिला है। यह निवेश तीन अलग-अलग म्यूचुअल फंड योजनाओं में हुआ है। ये योजनाएं हैं - जियोब्लैक रॉक ओवरनाइट फंड, जियोब्लैक रॉक लिक्विड फंड और जियोब्लैक रॉक मनी मार्केट फंड।

तीन दिन के लिए आया था एनएफओ– जियो ब्लैकरॉक का यह एनएफओ सिर्फ तीन दिन के लिए खुला था। यह 30 जून को शुरू हुआ और 2 जुलाई को बंद हो गया। कंपनी के अनुसार, इस दौरान 90 से ज़्यादा संस्थागत निवेशकों ने इसमें पैसा लगाया। इससे पता चलता है कि जियोब्लैक रॉक एसेट मैनेजमेंट पर लोगों का भरोसा है। कंपनी डेटा के आधार पर निवेश करती है और डिजिटल तरीके से काम करती है। इसके अलावा, इन म्यूचुअल फंड योजनाओं को खुदरा निवेशकों से भी बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। 67,000 से ज़्यादा लोगों ने इस दौरान इन फंडों में निवेश किया।

आयकर विभाग ने नया लागत महंगाई सूचकांक जारी किया, जानें...संपत्ति बेचने पर कितना होगा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने हाल ही में नया लागत महंगाई सूचकांक (सीआईआई) जारी किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे 376 तय किया गया है, जो एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। इसका मतलब है कि इस वित्त वर्ष में जो भी संपत्ति बेची जाएगी, उसकी सूचकांक लागत निकालने में सीआईआई का इस्तेमाल किया जाएगा। नए सूचकांक की जरूरत उन लोगों को पड़ेगी, जो जमीन, मकान, बॉन्ड या सोने जैसे लॉन्ग टर्म निवेश को बेचकर लाभ कमाना चाहते हैं। संपत्ति बेचने पर उन्हें कितना मुनाफा होगा और कितना लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स देना होगा, इसकी गणना में लागत महंगाई सूचकांक की जरूरत पड़ती है। जुलाई, 2024 के बाद नियमों में बदलाव के तहत अब ज्यादातर संपत्तियों पर सीआईआई आधारित इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा। रिहायशी मकानों पर यह फायदा अब भी उपलब्ध है। बशर्ते... संपत्ति 22 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई हो और 23 जुलाई, 2024 या उसके बाद बेची जा रही हो। ऐसे में पुराने व नए टैक्स नियमों में एक का चुनाव कर सकते हैं। यह ऐसा आंकड़ा है, जो किसी संपत्ति की हर साल बढ़ने वाले वर्तमान मूल्य में महंगाई के असर को दिखाता है। आप जब कोई संपत्ति बहुत पहले खरीदते हैं और वर्षों बाद बाद बेचते हैं, तो उसका मूल्य महंगाई के कारण बढ़ता है। ऐसे में वास्तव में कितना लाभ हुआ, यह निकालने के लिए सीआईआई का इस्तेमाल होता है।

इंडिगो और तुर्किश एयरलाइंस के बीच जारी रहेगी कोडशेयर साझेदारी

एम्स्टर्डम एजेंसी। भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने साफ किया है कि वह तुर्किश एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर साझेदारी को जारी रखेगी। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि भले ही तुर्किश एयरलाइंस से लिए गए विमान की लीज खत्म हो रही है, फिर भी कंपनी इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखने के विकल्पों पर काम कर रही है।

इंडिगो ने मौजूदा समय में तुर्किश एयरलाइंस से दो बोइंग 777-300ईआर विमान डैम्प लीज पर लिए हुए हैं। इन विमानों से दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए सीधी उड़ानें चलाई जा रही हैं। लेकिन 30 मई को भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए ने इंडिगो को इन विमानों की डैम्प लीज के लिए अंतिम तीन महीने की मंजूरी दी है, जो 31 अगस्त को खत्म हो जाएगी। डीजीसीए का यह कदम ऐसे समय आया है जब तुर्की ने भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई की आलोचना की थी।

मामले में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि कंपनी इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है, जैसे कि ए321 विमान का उपयोग। उन्होंने कहा, हम इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखेंगे। हम इस पर कई विकल्पों को देख रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या तुर्किश एयरलाइंस के साथ कोडशेयर साझेदारी आगे भी जारी रहेगी, तो उन्होंने कहा, हां, हमारी साझेदारी जारी रहेगी।

10 जुलाई से खुल रहा है मेनबोर्ड का आईपीओ, प्राइस बैंड 407

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग आईपीओ का प्राइस बैंड का ऐलान हो गया। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड प्रति इक्विटी शेयर 387 से 407 के बीच तय किया गया है। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग आईपीओ की सब्सक्रिप्शन की तारीख गुरुवार, 10 जुलाई तय की गई है और यह सोमवार, 14 जुलाई को बंद होगी। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों को आवंटन बुधवार, 9 जुलाई को होने वाला है।

क्या है डिटेल– फ्लोर प्राइस फेस वैल्यू का 38.7 गुना है और कैप प्राइस इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू का 40.7 गुना है। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग आईपीओ का लॉट साइज 36 इक्विटी शेयर है और उसके बाद 36 इक्विटी शेयरों के गुणकों में है। संभावित रूप से, स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग आईपीओ के शेयरों के आवंटन का आधार मंगलवार, 15 जुलाई को तय किया जाएगा और कंपनी बुधवार, 16 जुलाई को रिफंड शुरू करेगी, जबकि रिफंड के बाद उसी दिन शेयर आवंटियों के डीमैट खाते में जमा कर दिए जाएंगे। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग के शेयर की कीमत गुरुवार, 17 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। बता दें कि कंपनी ने अपने आईपीओ के साइज में कटौती की है। नए इश्यू की राशि को पहले से नियोजित 550 करोड़ से संशोधित कर 445 करोड़ कर दिया गया है और प्रमोटरों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) को 67.59 लाख शेयरों से घटाकर 33.79 लाख शेयर कर दिया गया है।

कंपनी की योजना– जुटाए गए कुल फंड में से लगभग 226 करोड़ नए केंद्रों में फिट-आउट और इन केंद्रों के लिए सुरक्षा जमा के लिए पूंजीगत व्यय की ओर निर्देशित किए जाएंगे, 114 करोड़ ऋण चुकौती के लिए नामित किए जाएंगे और बाकी राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए किया जाएगा।

भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में एमएनसी फंड से निवेश का मौका, 16 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बड़े वैश्विक ब्रांड भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह न केवल बाजार के विशाल आकार के लिए, बल्कि भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए भी महत्वपूर्ण है। एपल का उदाहरण लें, जिसने अपना विनिर्माण भारत में स्थानांतरित कर दिया है। भारत ने व्यापार सुगमता में तेजी से प्रगति की है, जिससे वैश्विक ब्रांड यहां परिचालन बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं। अब आप विकास की इस कहानी का हिस्सा बन सकते हैं और बड़े वैश्विक ब्रांडों में निवेश कर सकते हैं। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के एमएनसी फंड से निवेशकों को बड़ी वैश्विक कंपनियों में निवेश का मौका मिलेगा। इसका नया फंड ऑफर 16 जुलाई को बंद होगा।

भारतीय फंडों के जरिये एमएनसी में निवेश– देश के कई म्यूचुअल फंड हाउस ने ऐसे फंड लॉन्च किए हैं। ये फंड बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में निवेश करते हैं। परिभाषा के अनुसार निवेश की सूची में वे कंपनियां शामिल होती हैं जो भारत में पंजीकृत हैं और एक से अधिक देशों में काम करती हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर, एबॉट इंडिया, कोलगेट-पामोलिव और नेस्ले ऐसे कंपनियों के कुछ उदाहरण हैं। एमएनसी फंड में ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता होती है, क्योंकि ये अच्छे प्रदर्शन वाले वैश्विक ब्रांड होते हैं। उनकी मजबूत वैश्विक उपस्थिति है। वे रिसर्च एंड डेवलपमेंट में निवेश करते हैं। परिचालन का लाभ उठाने में सक्षम हैं और उनके पास कम ऋण के साथ मजबूत खाताबही है।

अडानी खरीदने जा रही दिवालिया कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 5 प्रतिशत तक चढ़ गए। इसमें अपर सर्किट लग गया और यह शेयर 3.22 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड ने कहा कि उसे दिवाला प्रक्रिया के जरिए कंपनी के अधिग्रहण के लिए बयाना राशि के साथ पांच बोलियां मिली हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे पांच समाधान योजनाएं मिली हैं।

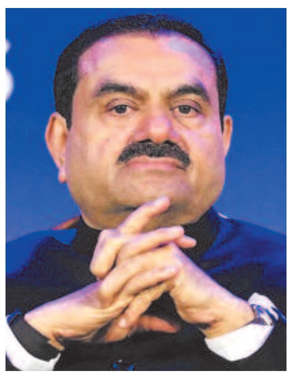

कंपनी ने क्या कहा– जेएएल ने कहा, जेएएल की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में जारी समाधान योजना के अनुरोध के जवाब में, समाधान पेशेवर को प्रस्तुत करने की तिथि तक बयाना राशि के साथ पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। हालांकि, जेएएल ने उन कंपनियों के नाम नहीं बताए जिन्होंने समाधान योजना पेश की है। सूत्रों के अनुसार, ये पांच कंपनियां- अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, माइनिंग दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता, डालमिया भारत सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक हैं। सूत्रों ने बताया कि जेपी इन्फ्राटेक की समाधान योजना को कुछ मानदंडों को पूरा न करने के कारण खारिज कर दिया गया है। जेपी इन्फ्राटेक का पहले सुरक्षा समूह ने अधिग्रहण किया था। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के ऋणदाताओं ने इच्छुक पक्षों द्वारा पेश बोलियों को खोलने के लिए बुधवार को बैठक की। अंतिम तिथि 24 जून थी। अप्रैल में, 25 कंपनियों ने जेएएल का अधिग्रहण करने में रुचि दिखाई थी।

क्या है मामला– रियल एस्टेट, सीमेंट विनिर्माण, होटल और इंजीनियरिंग और निर्माण में फैले जेएएल के व्यापारिक हित हैं, जिन्हें तीन जून, 2024 के राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के आदेश के माध्यम से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में स्वीकृत किया गया था। समूह द्वारा ऋण भुगतान में चूक के बाद जेएएल को दिवाला कार्यवाही में ले जाया गया। लेनदार 57,185 करोड़ रुपये का भारी भरकम दावा कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले ऋणदाताओं के गठजोड़ से संकटग्रस्त जेएएल ऋण खरीदने के बाद नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) दावेदारों की सूची में सबसे आगे है।

महंगी पड़ रही 10 मिनट की डिलीवरी, कंपनियां वसूल रहीं तरह-तरह के चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल शहरों में लोगों को 10 मिनट में घर पर सामान मिल जाता है। यह बहुत ही सुविधाजनक है। स्विगी इंस्टामार्ट, ब्लिंकिट और जेप्टो ऐप्स पर शॉपिंग करना लोगों की आदत बन गई है। लेकिन कुछ लोग अब तुरंत डिलीवरी के कारण परेशान हो रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक ये प्लेटफॉर्म बिल में कई तरह के चार्ज जोड़ रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों को हर ऑर्डर पर 50 रुपये तक ज्यादा देने पड़ रहे हैं।

पहले, ग्राहकों को हैंडलिंग चार्ज देना होता है। यह हर ऑर्डर के लिए फिक्स होता है और 10 से 21 रुपये तक होता है। फिर जीएसटी, डिलीवरी चार्ज, छोटा कार्ट शुल्क, बारिश शुल्क और सर्ज चार्ज (जब लागू हो) भी लगते हैं। इससे बिल बढ़ जाता है। ऐसा नहीं है कि लोग सुविधा के लिए पैसे नहीं देना चाहते। लेकिन अब कई ग्राहक अपनी खरीदारी की योजना बनाने लगे हैं। वे अब ऑफलाइन कीमतों और अलग-अलग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कीमतों की तुलना करके ही सामान खरीदते हैं।

कम हो गया फायदा– पहले इन प्लेटफॉर्म पर किराना दुकानों और लोकल वेंडर्स से कम कीमत पर सामान मिलता था। लेकिन अब फीस लगने के कारण यह फायदा कम हो गया है। दिल्ली की रहने वाली उर्वशी शर्मा ने कहा, मैं अब लोकल वेंडर्स से फल और सब्जियां खरीदती हूं। फल 30 से 40 रुपये तक सस्ते मिलते हैं। टमाटर और मटर ऑनलाइन सस्ते होते हैं, लेकिन हैंडलिंग और डिलीवरी फीस जोड़ने पर वे उतने ही महंगे हो जाते हैं।

पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे कितनी बार क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म से ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब वे खरीदारी को टाल रहे हैं या फिर कुछ ऑर्डर को एक साथ मिलाकर खरीदारी कर रहे हैं, ताकि उन्हें बार-बार एक्स्ट्रा चार्ज न देना पड़े। यह बात मार्केट रिसर्च फर्म के सलाहकार सतीश मीना ने कही। उन्होंने कहा कि ऑर्डर कम होने से कंपनियों के ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू पर असर पड़ सकता है और सामान भी धीरे-धीरे बिकेगा। इससे डार्क स्टोर्स की लागत बढ़ जाएगी।

मीना ने कहा कि ग्राहकों को क्विक कॉमर्स थोड़ा महंगा लग रहा है, लेकिन सुविधा अभी भी सबसे बड़ी चीज है।

फीस को ट्रैक करना मुश्किल है– स्विगी और जिप्टो पर अगर आप 200 रुपये या उससे ज्यादा की खरीदारी करते हैं तो आपको डिलीवरी फीस नहीं देनी होती है। लेकिन ब्लेंकिट पर आपको फ्री डिलीवरी के लिए कम से कम 500 रुपये खर्च करने होंगे। चार्ज भी अलग-अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, स्विगी पर हैंडलिंग चार्ज ऑर्डर वैल्यू के हिसाब से 10-15 रुपये तक हो सकता है। जेप्टो पर यह बड़े ऑर्डर के लिए लगभग 21 रुपये और छोटे ऑर्डर के लिए 13 रुपये होता है।

सैकड़ों करोड़ दान देने वाले माइंडट्री के को-फाउंडर सुब्रतो बागची ने 1 का चेक संभाल कर रखा है

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल लोग सफलता को दौलत, पद और सम्मान से मापते हैं। लेकिन माइंडट्री के को-फाउंडर सुब्रतो बागची ने हमें याद दिलाया है कि असली दौलत बैंक खाते से कहीं ज्यादा होती है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। यह पोस्ट बहुत ही भावुक और सोचने पर मजबूर करने वाला था। इसमें बागची ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एक पुराना चेक दिखाया। इस चेक की कीमत सिर्फ 1 रुपया थी। लेकिन उनके लिए यह अनमोल है।

कहां से मिला है यह चेक– यह चेक किसी कंपनी या स्टार्टअप को दी गई सेवा के लिए नहीं था। यह ओडिशा सरकार के मुख्य सलाहकार के तौर पर उनकी आखिरी सैलरी थी। उन्होंने यह पद आठ साल तक संभाला। इन सालों में बागची ने सिर्फ 1 रुपये की सैलरी ली। उन्होंने अपनी सरकारी सेवा के लिए कभी भी पैसे की उम्मीद नहीं की। बागची ने अपनी यात्रा के बारे में सोचते हुए लिखा, इस जीवन में सबसे बड़ी दौलत क्या है जिसे मैं कभी नहीं छोड़ूंगा उन्होंने आगे लिखा, सरकार के साथ काम करने के हर साल के लिए, यह तय हुआ था कि वे मुझे 1 रुपया देंगे। वहां 8 सालों में, मुझे 8 चेक मिले और यह उनमें से आखिरी सैलरी का चेक है।

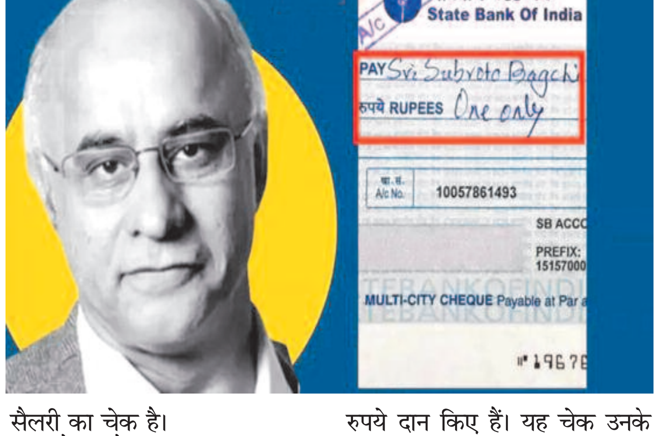

कौन हैं सुब्रतो बागची– बागची को माइंडट्री के सह-संस्थापक के रूप में जाना जाता है। माइंडट्री एक जानी-मानी आइटी और कंसल्टिंग कंपनी है। उन्होंने अपने नेतृत्व, दूरदृष्टि और परोपकार के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। लेकिन अपनी दौलत के बावजूद, उनके लिए यह छोटा सा चेक सबसे कीमती है। उन्होंने और उनकी पत्नी सुस्मिता ने कैंसर की देखभाल और कौशल विकास जैसे कामों के लिए करोड़ों रुपये दान किए हैं। यह चेक उनके इस विश्वास का प्रतीक है कि लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ा इनाम है। कई बड़े कारोबारी अच्छी सैलरी वाली सलाहकार की भूमिका में आ जाते हैं। लेकिन बागची ने साफ कर दिया कि उनकी प्रेरणा पैसा नहीं, बल्कि अपने राज्य ओडिशा के लिए प्यार और कर्तव्य की भावना थी। उनकी यह प्रतिबद्धता दिखावे के लिए नहीं थी। यह चुपचाप और लगातार की गई निस्वार्थ सेवा थी।

यूजर्स की आई प्रतिक्रिया– इस पोस्ट ने बहुत जल्दी लोगों का ध्यान खींचा। लोगों ने बागची की विनम्रता और मूल्यों की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, आपका यह काम सार्वजनिक जीवन में कमल की तरह है-इसकी खुशबू बिना बताए ही फैलती है। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, हमें ओडिशा में सुब्रतो बागची जैसे और लोगों की जरूरत है जो अपने क्षेत्र में सफल हैं और अपने प्यारे राज्य के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। कई लोगों ने उन्हें आज के दौर में नैतिक नेतृत्व का एक अच्छा उदाहरण बताया। आज का दौर ऐसा है जहाँ लोग सिर्फ अपने फायदे के बारे में सोचते हैं और दिखावा करते हैं। एक कमेंट में लिखा था, सर, यह सच्ची निस्वार्थ सेवा है। आज की दुनिया में यह बहुत कम देखने को मिलता है। ओडिशा के लिए आपकी महान सेवा के लिए धन्यवाद।

सांकेतिक सैलरी सम्मान की बात

बागची का 1 रुपया का चेक भले ही छोटा हो, लेकिन यह एक बड़ा संदेश देता है। यह बताता है कि ईमानदारी से की गई सरकारी सेवा ही सबसे बड़ा इनाम है। यह उस समय की याद दिलाता है जब सांकेतिक सैलरी सम्मान की बात होती थी, न कि सिर्फ दिखावा। आजकल लोग पैसे को अपनी अहमियत का प्रतीक मानते हैं। ऐसे में बागची का 1 रुपया के चेक को सबसे ज्यादा महत्व देना बहुत बड़ी बात है। उनकी कहानी सिर्फ एक चेक के बारे में नहीं है। यह दौलत के मायने को फिर से परिभाषित करने के बारे में है। यह उन लोगों के लिए एक संदेश है जिनके पास देने के लिए बहुत कुछ है। उन्हें न सिर्फ पैसे से, बल्कि अपने समय, ज्ञान और दिल से भी लोगों की मदद करनी चाहिए। बागची अब सरकारी पद से हट रहे हैं। लेकिन वे अपने पीछे नीतिगत दस्तावेज और संस्थागत ढांचे से कहीं ज्यादा छोड़ रहे हैं। वे अपने पीछे एक उद्देश्य की विरासत छोड़ रहे हैं। यह विरासत विनम्रता पर आधारित नेतृत्व और इस विश्वास की है कि असली दौलत वह है जो आप बनाते हैं, न कि वह जो आप जमा करते हैं।

पूरा कर्ज खत्म करने की तैयारी, पहली तिमाही में 80 प्रतिशत बढ़ा रेवेन्यू, दौड़ लगा रहा ज्वैलरी स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर रॉकेट सा भाग रहे हैं। ज्वैलरी कंपनी, पीसी ज्वैलर के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर सोमवार को क्ष्र्स्थ में 15 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 19.22 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को भी 19 पर्सेंट की तेजी आई थी। ज्वैलरी कंपनी ने बताया है कि पहली तिमाही में उसका रेवेन्यू सालाना आधार पर 80 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले एक साल में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 237 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है।

पहली तिमाही में 80 प्रतिशत की रेवेन्यू ग्रोथ– ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बताया है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के मुकाबले कंपनी चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब 80 पर्सेंट की स्टैंडअलोन रेवेन्यू ग्रोथ हासिल करने में कामयाब रही है। पीसी ज्वैलर ने बताया है कि उसके प्रॉडक्ट्स की जबरदस्त डिमांड रही है, क्योंकि ग्राहकों ने शादियों और त्योहारों के लिए ज्वैलरी खरीदी है। पीसी ज्वैलर को पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 95 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इससे पहले के एक साल की समान अवधि में ज्वैलरी कंपनी को 124 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

पूरा कर्ज चुकाने की राह पर कंपनी– ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में पूरी तरह कर्ज मुक्त हो सकती है। स्मॉलकैप कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में अपना 50 पर्सेंट से ज्यादा कर्ज चुका दिया है और कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में पूरी तरह कर्ज मुक्त होना चाहती है। पीसी ज्वैलर ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 7.5 पर्सेंट कर्ज और चुका दिया है। स्मॉलकैप कंपनी का कहना है कि उसने अपने ऑपरेशंस के सभी पक्षों को दुरुस्त और मजबूत किया है।

भारत की इंग्लैंड पर दूसरे टेस्ट में शानदार जीत के दौरान बने 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारत ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर की। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक (269) की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 407 पर ढेर कर 180 रन की बढ़त बनाई।

दूसरी इनिंग में गिल (161) ने एक बार फिर बड़ी पारी जिससे टीम ने 427/6 का स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड के सामने 608 रन का लक्ष्य रखा। एक बार फिर गेंदबाजों ने शुरू से ही दबाव की रणनीति अपनाई और इस बार आकाश दीप के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 271 रन पर ढेर कर 336 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में एक-दो नहीं, बल्कि 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स बने हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में -

1. युवा भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल महज 23 साल और 188 दिन की उम्र में 2000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। सचिन तेंदुलकर (20 साल, 330 दिन) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। अब वह भारत के लिए 2000 रन बनाने वाले सबसे युवा ओपनर हैं और विश्व में ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (23 साल, 58 दिन) के बाद दूसरे सबसे युवा ओपनर हैं।
2. ऋषभ पंत घर से बाहर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 24 छक्के लगाए हैं।
3. इंग्लैंड ने दो 150+ स्कोर के साथ सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड बनाया है। एजबेस्टन में तीसरे दिन इंग्लैंड ने 407 रन बनाए जिसमें जेमी स्मिथ के 184* और हैरी ब्रूक के 158 रन थे। हालांकि इस दौरान इंग्लैंड ने पहली पारी में 6 डक भी हुए जो 407 के सबसे कम ऑल-आउट स्कोर का प्रमाण बना।
4. इंग्लैंड के कप्तान ने बेन स्टोक्स बल्ले से अब तक दमदार श्रृंखला खेली है और पहली पारी में गोल्डन डक पर आउट हुए। यह क्रीज पर अपने 201 टेस्ट मैचों में पहली बार हुआ। केवल राहुल द्रविड़ (286) और डेविड गॉवर (204) ही अपने पहले गोल्डन डक से पहले लंबे समय तक रन बना पाए थे। स्टोक्स पहली पारी में मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर पंत के हाथों कैच आउट हुए थे।
5. भारत के 1849 रन किसी भी टीम द्वारा सीरीज के पहले दो टेस्ट में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत की तिकड़ी शानदार फॉर्म में है और इसी का परिणाम यह रिकॉर्ड है।
6. भारत ने बर्मिंघम में 1014 रन के साथ एक टेस्ट मैच में अपना सर्वोच्च टीम स्कोर बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से भारतीय कप्तान गिल ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली जिसमें उन्होंने अपने देश के लिए 1014 रनों में से 430 रन बनाए, जिससे एजबेस्टन की भीड़ प्रशंसा में ताली बजाने पर मजबूर हो गई।
7. शोएब बशीर ने टेस्ट में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक 286 रन दिए हैं। बशीर के लिए यह एक और कठिन टेस्ट रहा जिसमें ऑफ स्पिनर ने 5/286 के मैच के आंकड़ों के साथ भारत की स्टार पावर को रोकने के लिए संघर्ष किया। उनके महंगे आंकड़े टेस्ट मैच में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे अधिक रनों से केवल चार रन कम थे।

इंग्लैंड पर बड़ी जीत के बाद गदगद हुए कप्तान गिल, इन खिलाड़ियों की जमकर की तारीफ

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के बाद अपनी टीम के तेज गेंदबाजों आकाशदीप और मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की। भारत ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से मात देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-1 की बराबरी हासिल की।

तेज गेंदबाजों का कहर

इस मुकाबले में भारत की जीत के नायक रहे तेज़ गेंदबाज़ - आकाशदीप, जिन्होंने 10 विकेट लिए और मोहम्मद सिराज, जिनके खाते में 7 विकेट आए। ये प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत इस मैच में अपने प्रमुख गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह के बिना उतरा था।

गिल ने मैच के बाद चेतेश्वर पुजारा से बातचीत में कहा- जब आपके दो गेंदबाज 17 विकेट लेते हैं, तो कप्तान के लिए काम काफी आसान हो जाता है। बुमराह भाई नहीं थे, लेकिन हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाज़ी इकाई मैच में 20 विकेट लेने में सक्षम है।

गिल की रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी

गिल ने बतौर कप्तान सिर्फ रणनीति ही नहीं बनाई, बल्कि बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन भी किया। उन्होंने पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन बनाकर कुल 430 रन बनाए – जो किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा एक टेस्ट में सर्वोच्च योग है। ÷हम जानते थे कि इस पिच पर अगर हम 400-500 रन बना लेते हैं, तो यह काफी होगा। हर मैच हेडिंग्ले जैसा नहीं होता। गेंदबाज़ों ने शानदार तरीके से इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर को दबाव में डाला।

अन्य गेंदबाजों का योगदान

गिल ने प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की, जो विकेट भले न ले पाए हों, लेकिन उन्होंने दबाव बनाए रखा। ÷उन्होंने सही लेंथ पर गेंदबाजी की, जो इस पिच पर आसान नहीं था। आकाशदीप ने भी बेहद प्रभावशाली गेंद डाली, खासकर नई गेंद से।

इस भारतीय ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया, हार के बाद आया स्टोक्स का बयान

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप के 'अविश्वसनीय कौशल ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया। श्रृंखला में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि

आकाश ने कल रात और आज सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और फिर भी वह इतना सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था।

उन्होंने कहा, 'जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए भी उस क्षेत्र में गेंद की उससे उसके अविश्वसनीय कौशल का पता चलता है।% स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती लेकिन कप्तान ने कहा कि लक्ष्य पहुंच से बाहर था। उन्होंने कहा, '300 या इससे अधिक रन से हारना वास्तव में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है। लेकिन कल रात तीन विकेट और आज सुबह दो क्रिकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया।

स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने खेल के हर विभाग में उनसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'इस सप्ताह उन्होंने एक ऑलराउंड इकाई के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया, बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह हमने ऐसा किया था।

लगातार असफलताओं के बावजूद मौका मिल रहा, पूर्व क्रिकेटर ने इंग्लैंड के ओपनर की आलोचना की

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं जो उन्हें लगातार असफलताओं के बावजूद टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने इसके साथ यह भी सुझाव दिया कि क्रॉली को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की रणनीति से सीख लेनी चाहिए और अपने खेल में सुधार करना चाहिए।

वॉन ने अपने कॉलम में लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने प्रशंसकों को निराश किया है। इनमें मैं भी शामिल हूं लेकिन वह (क्रॉली) सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें मैं याद कर सकता हूं। जब से मैंने इंग्लैंड की क्रिकेट को करीब से देखा है तब से वह सबसे भाग्यशाली खिलाड़ी है जिसे लगातार असफलताओं के बावजूद इतने अधिक टेस्ट मैच खेलने को मिले। उन्होंने कहा, 'उन्हें खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए कि उन्होंने 56 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने सिर्फ 5 शतक बनाए हैं और उनका औसत 31 का है।

डीपीएल नीलामी में सहवाग के बेटे पर लगी 8 लाख की बोली, 39 लाख में सबसे महंगा बिका ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में दिग्गज भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे और स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे को खरीदा गया। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा। 18 साल का आर्यवीर दिल्ली अंडर 19 क्रिकेट टीम का हिस्सा है। दूसरी ओर, कोहली के भतीजे, जिनका नाम भी आर्यवीर है, को डीपीएल 2024 की उप-विजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 1 लाख रुपए में खरीदा है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज पर बड़ी रकम खर्च करने में संकोच नहीं किया और उन्हें 39 लाख रुपए में साइन किया। सिमरजीत के ठीक पीछे, मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश सिंह को दूसरी सबसे ऊंची बोली मिली। दिग्वेश को साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा।

अमेरिका में पनेल गांव की मोनिका ने बाक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

रामपुर बुशहर, शिमला जिले के ननखड़ी तहसील के पनेल गांव की मुक्केबाज मोनिका नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की भारतीय पुलिस टीम की ओर से प्रतियोगिता में भाग लिया। बर्मिंघम में 26 जून से 6 जुलाई तक विश्व पुलिस खेल 2025 का आयोजन किया गया। बॉक्सिंग के 81 किलोग्राम कैटेगरी के फाइनल में मोनिका ने यूएसएजीई की बॉक्सर को 5-0 से पराजित किया। मोनिका नेगी भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल में कार्यरत हैं। मोनिका नेगी इससे पहले भी बॉक्सिंग में कई पदक जीतकर रामपुर और हिमाचल का नाम रोशन कर चुकी हैं। वे मुक्केबाजी में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का कई बार प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मोनिका नेगी ने दो बार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है और पंजाब के जालंधर में आयोजित ऑल इंडिया विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीता है।

ग्रैंड चेस टूर में कार्लसन की खास उपलब्धि, एक दौर रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट जीता

जगरेब। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक दौर शेष रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश तीसरे स्थान पर रहे।नौ दौर के रैपिड टूर्नामेंट में गुकेश से चार अंक पीछे रहने के बाद कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में इसका पूरा फायदा उठाया और पहले चरण में नौ में से 7.5 अंक हासिल किए। दूसरे चरण में पहले आठ बाजियों में से चार अंक हासिल करना ही उन्हें टूर्नामेंट में एक और जीत दिलाने के लिए पर्याप्त था।गुकेश ने रैपिड वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए 14 अंक हासिल किए थे लेकिन ब्लिट्ज वर्ग में अपने पहले नौ गेम में से केवल 1.5 अंक हासिल करके लय खो बैठे। कार्लसन ने 22.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया और वह अमेरिका के वेस्ली सो से 2.5 अंक आगे थे जो दूसरे स्थान पर रहे।गुकेश अंततः 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने 17,5000 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार पूल में से 40,000, वेस्ली ने 30,000 और गुकेश ने 25,000 हासिल किए। भारत के आर प्रज्ञानानंदा 15 अंक के साथ नौवें स्थान पर रहे।

44 साल के हुए धोनी: थाला के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली- थाला कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य्) के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और

74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ढ्ढष्ट क्रिकेट विश्व कप 2011 और ढ्ढष्ट चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के थाला (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। माही ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। धोनी ने टीम इंडिया को टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था।

चाहत खन्ना ने दूसरे तलाक पर तोड़ी चुप्पी

चाहत खन्ना किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो टीवी इंडस्ट्री का फेमस नाम हैं। उन्होंने राम कपूर के टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं में दमदार एक्टिंग कर घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी। हालांकि, वो अपनी पर्सनल लाइफ के लिए भी खूब सुर्खियों में रहीं। उन्होंने दो बार शादी की, लेकिन दोनों बार उनका रिश्ता टूट गया। उन्होंने हाल ही में अपने दूसरे तलाक के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो अपनी बेटियों की खातिर शादी से बाहर निकल गईं। बता दें कि एक्ट्रेस को अपने दूसरे पति फरहान मिर्जा से दो बेटियां हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा वही किया जो मुझे सही लगा और मैं उस पर कायम रही। मेरे पास हमेशा ये कहने का साहस रहा है कि अगर कुछ गलत है, तो मैं ऐसा नहीं करूंगी और मैं किसी और को भी ऐसा नहीं करने दूंगी। दुनिया चाहे जो भी कहे, मैं कभी भी गलत को सपोर्ट नहीं करूंगी।

चाहत ने आगे कहा, आपके पास उस तरह का कॉन्फिडेंस, उस तरह का साहस और सेल्फ रिस्पेक्ट होना चाहिए। ना सिर्फ एक महिला के रूप में, बल्कि एक इंसान के रूप में भी। मुझे हमेशा लगता रहता है कि अगर कुछ ठीक नहीं है तो मैं उसका हिस्सा नहीं बनूंगी। मैं बाकी चीजों को समझ लूंगी, लेकिन मैं उससे दूर चली जाऊंगी। मेरा डेयरडेविल वाला एटीट्यूड है।

बेटियों के लिए ही तलाक का लिया फैसला

सलाह देते हुए चाहत ने कहा कि खराब शादी में क्यों नहीं रहना चाहिए। वो बोलीं, आपको ये सोचकर टॉक्सिक मैरिज में नहीं रहना चाहिए कि आप ये बच्चों के लिए कर रहे हैं। आप जितना सोचते हैं, बच्चे उससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। आपको ये भी नहीं पता कि इससे क्या नुकसान होता है। आपको तभी पता चलेगा, जब वे बड़े हो जाएंगे और आप उनके दोस्तों से सुनेंगे कि आपके बच्चे ने वास्तव में क्या झेला है। इसलिए, मैंने अपनी बेटियों के लिए अलग होने का फैसला किया, उनके बावजूद नहीं।

एक्स हसबैंड के साथ रहती है बड़ी बेटी

चाहत ने ये भी खुलासा किया कि उनकी बड़ी बेटी उनके एक्स हसबैंड के साथ रहती है और उनसे जुड़ी हुई है, जबकि छोटी बेटी उनके साथ ही रहती है।

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू

अखंडा 2 में नजर आएंगी

सलमान खान की बजरंगी भाईजान की मुन्नी बनकर हर किसी के दिल में बसीं हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म अखंडा 2 में नजर आएंगी। फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। अखंडा 2 से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

हर्षाली मल्होत्रा के फैंस झूमे

हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और उन्हें अखंडा 2 का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने बजरंगी भाईजान में सबका दिल जीता, अब अखंडा 2 में नजर आएगी। एक ने लिखा, लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं।

हर्षाली करेंगी बालाकृष्ण की बेटी का रोल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2021 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। इस एक्शन-ड्रामा में प्रज्ञा जायसवाल, नवीना रेड्डी और नितिन मेहता जैसे एक्टर्स नजर आए थे। अखंडा साल 2021 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तेलुगू फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 121-150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। उम्मीद है कि अखंडा 2 भी वैसा ही कमाल दिखाएगी।

मैं इंडिया और हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और अब हॉलीवुड की सुपरस्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा के दिल की बात एक बार फिर खुलकर सामने आई है। भले ही वो हॉलीवुड में लगातार झंडे गाड़ रही हों, लेकिन उनका दिल अब भी भारत और बॉलीवुड के करीब ही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उन्हें बॉलीवुड की बहुत याद आती है और इस साल वो भारत में एक नई फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान जब भारतीय मीडिया से बात की, तो उन्होंने खुलकर अपनी बात कही। प्रियंका ने बातचीत करते हुए कहा, 'मैं हिंदी सिनेमा को बहुत मिस करती हूं और भारत को भी।' इस बयान ने उनके चाहने वालों के दिलों में उम्मीद जगा दी है कि वो जल्द बड़े पर्दे पर एक बार फिर देसी अंदाज में नजर आएंगी।

एस एस राजामौली की फिल्म से होगी वापसी

प्रियंका भारत में जिन प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं, उनमें सबसे बड़ा नाम निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 का है। इस मेगा बजट फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक माइथोलॉजिकल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में ओडिशा में शुरू भी हो चुकी है।

जी ले जरा में भी करेंगी धमाल?

इसके अलावा, प्रियंका फरहान अख्तर की मच अवेटेड फिल्म 'जी ले जरा' में भी नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ को भी कास्ट किया गया है। हालांकि फिल्म की शूटिंग डेट्स को लेकर काफी उथल-पुथल चल रही है, लेकिन मेकर्स अब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर आशावान हैं।

रामायण करने से किया इनकार

प्रियंका को नितेश तिवारी की भव्य फिल्म रामायण के लिए भी अप्रोच किया गया था। लेकिन खबरों के मुताबिक, उन्होंने इस प्रोजेक्ट को मना कर दिया क्योंकि उनके पास पहले से इंटरनेशनल कमिटमेंट्स हैं। इससे साफ है कि प्रियंका फिलहाल अपने शेड्यूल को संतुलित रखते हुए बॉलीवुड में वापसी की योजना बना रही हैं।

फैंस में जगी उम्मीद

प्रियंका के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'देसी गर्ल' को फिर से भारतीय पर्दे पर देखने की उम्मीदें अब और प्रबल हो गई हैं। बता दें प्रियंका चोपड़ा आज ग्लोबल लेवल पर एक बड़ा नाम बन चुकी हैं, लेकिन उनका दिल आज भी भारत में ही बसता है। उनके बयान से साफ है कि वो अपने रूट्स को नहीं भूलीं और जल्द ही हिंदी सिनेमा में अपनी वापसी से एक बार फिर तहलका मचाने को तैयार हैं।

मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सबक था द ट्रेटर्स

हमेशा चर्चा में रहने वाला रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' खत्म हो चुका है और फिनाले में उर्फी जावेद ने अपनी शानदार गेम से सबका दिल जीतते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी बिग बॉस से लेकर द ट्रेटर्स तक की जर्नी को याद किया। उर्फी ने लिखा - बिग बॉस से निकलने के बाद द ट्रेटर्स जीतना, ये सफर आसान नहीं था। कई बार रोई, कई बार लगा अब नहीं होगा, लेकिन मैंने कभी रुकना नहीं सीखा। लोग क्या कहेंगे, ये कभी नहीं सोचा। उन्होंने आगे लिखा बिग बॉस के बाद लगा था अब कुछ अच्छा नहीं होगा। लेकिन मैंने खुद पर भरोसा रखा। लोग हमेशा शक करते रहे, आज भी करते हैं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने तीन ट्रेटर्स को बाहर किया, ये सिर्फ किस्मत नहीं थी, ये मेरी स्ट्रैटेजी थी। आखिरी पल तक डटी रही। द ट्रेटर्स में उर्फी जावेद ने अपने बेबाक अंदाज़ और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने ये गेम अपने तरीके से खेला और अपनी मेहनत से जीत हासिल की।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है। उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तिवकता बनी रहे।

शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

अगस्त में शुरू होगा सिद्धार्थ की वन... का दूसरा शूटिंग शेड्यूल

डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा, जिन्होंने हाल ही में पंचायत 4 से बड़ी सफलता हासिल की है, अब अपनी पहली फीचर फिल्म वन पर काम कर रहे हैं। यह एक लोक-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर मिलकर कर रहे हैं, जो इन दोनों दिग्गज प्रोडक्शन हाउस का पहला साझा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म की कहानी भारतीय लोक कथाओं और जंगलों की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है, जिसे रियलिस्टिक दिखाने के लिए मध्य भारत के असली जंगलों में शूट किया जा रहा है। फिल्म का पहला शेड्यूल 9 जून से शुरू हुआ और सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। दूसरा शेड्यूल अगस्त में शुरू होगा। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि सिद्धार्थ और तमन्ना अपनी इस आगामी फिल्म में पहली बार साथ नजर आएंगे, वहीं दीपक की भी यह इन दोनों कलाकारों के साथ पहली ही फिल्म है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन सागर अम्बे और पुष्कर ओझा ने किया था। फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में नजर आएंगी।

'ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी जिसमें कहानी अहम हो'

हाल ही में राजकुमार राव अपनी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे। फिल्म 'मालिक' में क्या खास बात लगी? इस फिल्म के किरदार के लिए क्या तैयारियां कीं? और अपने करियर में अब तक निभाए गए किरदारों पर क्या कहना है राजकुमार राव का? जानिए।

एक्शन जॉनर में देरी से आने की वजह

'मालिक' राजकुमार राव के करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह पूरी तरह से एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। मगर इस जॉनर में आने के लिए इतनी देरी क्यों हुई? यह सवाल पूछने पर राजकुमार राव कहते हैं, 'मुझे पहले भी एक्शन स्टोरी ऑफर हुईं, मगर उन कहानियों में कहानी मौजूद नहीं थी, बस एक्शन था। लेकिन मुझे ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी, जिसमें कहानी अहम हो। जब पुल्कित ने मुझे 'मालिक' की कहानी सुनाई तो अच्छी लगी, इसमें कहानी है, एक्शन है और कमाल के डायलॉग भी हैं। इस फिल्म की कहानी मेरे दिल को छू गई।'

करियर कभी प्लान नहीं किया था

राजकुमार राव के करियर ग्राफ पर अगर नजर डालें तो वह अलग-अलग जॉनर में रंग जमा चुके हैं। उन्होंने 'सिटी लाइट्स' से लेकर 'स्त्री' फिल्म तक में अभिनय के अलग रंग दिखाए। क्या राजकुमार ने अपना करियर इसी तरह से प्लान किया था? इस सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं अपना करियर प्लान करके नहीं आया था। मगर यह सब अपने आप होता गया। पहले 'ट्रैप', 'न्यूटन', 'शाहिद', 'एलएसडी' जैसी फिल्में कीं, इसके बाद 'बरेली की बर्फी' और 'स्त्री' और 'भूल चूक माफ' जैसी फिल्में कीं। अब 'मालिक' में एक्शन कर रहा हूं। यह सभी अलग-अलग जॉनर की फिल्में थीं। मेरा मकसद बस एक्साइटिंग कहानियां का हिस्सा बनना है। ऐसी कहानियों की तलाश है, जो मुझे बतौर एक्टर चैलेंज करें, संतुष्टि दें।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'मालिक'

फिल्म 'मालिक' को पुल्कित ने निर्देशित किया है। इस डायरेक्टर के साथ पहले भी राजकुमार राव 'बोस डेड/अलाइव' कर चुके हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को रिलीज होगी।